डाक पंजीयन नं. 99/2021-23
E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.aadhuniksamachar.com

PG-5

PG-8

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

सिनेमाः- 'राम सेतु' की उल्टी गिनती हुई शुरू 12दिनों में नहीं निकाल पाई लागत...

वर्ष -08 अंक -209 | प्रयागराज, सोमवार, 07 नवंबर, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

बदहाली से जूझ रहे पाकिस्तान के लिए राहत भरी खबर

इस्लामाबाद। बदहाली से जूझ रहे पाकिस्तान को चीन और सऊदी अरब से करीब 13 अरब अमेरिकी डालर की अतिरिक्त वित्तीय मदद मिलेगी। पाकिस्तान के वित्त मंत्री इशाक डार ने कहा है कि चीन से नौ अरब अमेरिकी डालर और सऊदी अरब से चार अरब अमेरिकी डालर की मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की हाल की बीजिंग यात्रा के दौरान चीनी नेतृत्व ने मदद देने का वादा किया। एक सवाल के जवाब में

डार ने कहा कि चीन ने कराची से पेशावर तक 9.8 अरब अमेरिकी डालर की हाई-स्पीड रेल परियोजना (मेन लाइन -1) में तेजी लाने के लिए भी सहमति जताई है। एक अन्य सवाल के जवाब में, डार ने कहा कि सऊदी अरब ने भी पाकिस्तान के अनुरोध पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। सऊदी भी अपनी वित्तीय मदद को तीन अरब अमरीकी डालर से बढ़ाकर छह अरब अमरीकी डालर कर सकता है। डार ने कहा कि सऊदी अरब ग्वादर में 10-12 अरब डालर की पेट्रोकेमिकल रिफाइनिंग परियोजना को फिर से शुरू करने पर भी सहमत हो गया है। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान गैर-ऋण पैदा करने वाले विदेशी प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए एलएनजी बिजली परियोजनाओं और अन्य संस्थाओं में शेयरों जैसे निजीकरण लेनदेन में सऊदी अरब को शामिल कर रहा है।

भाजपा में राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ा सीएम शिवराज सिंह चौहान का कद

(आधुनिक समाचार सेवा)
भोपाल। वैसे तो भाजपा अपने दिग्गज नेताओं को जाति या समाज के चेहरे के रूप में पेश नहीं करती, लेकिन जातिगत समीकरणों को साधने के लिए उपयोग करने में भी पीछे नहीं रहती। ऐसे ही एक ओबीसी (पिछड़ा वर्ग) चेहरे का भाजपा में प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। ये हैं मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान। यूं तो देश की सियासत में मामा के नाम से वह लोकप्रिय हैं। ओबीसी मतदाताओं को लुभाने के लिए भाजपा में राष्ट्रीय स्तर पर उनका कद लगातार बढ़ा रहा है। बीते दिनों कर्नाटक में आयोजित पार्टी के ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अधिवेशन में उनकी उपस्थिति और भाषण चर्चा में रहा, हिमाचल प्रदेश में उन्हें स्टार प्रचारक बनाया गया है। वहीं गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए भी बतौर स्टार प्रचारक वे चुनाव प्रचार करेंगे। इससे पहले उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड सहित विभिन्न राज्यों में स्टार प्रचारक के रूप में वह पार्टी के लिए सभा व

रोड शो आदि कर चुके हैं। बीते दिनों राजस्थान के मानगढ़ धाम (बांसवाड़ा) में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में आयोजित 'मानगढ़ धाम की गौरव गाथा' कार्यक्रम में शिवराज न सिर्फ शामिल हुए, बल्कि उन्होंने भाषण भी दिया। दरअसल, पहले भी शिवराज दूसरे राज्यों में चुनाव प्रचार में शामिल होते रहे हैं, साथ ही पार्टी के राष्ट्रीय कार्यक्रमों में आमंत्रित होते रहे हैं, लेकिन वर्तमान परिदृश्य में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के बढ़ते दौरों के बीच शिवराज की राष्ट्रीय स्तर पर उपस्थिति के खास मायने निकाले जा रहे हैं। भाजपा देश में अपना वोट शेयर 51 प्रतिशत करने के लिए राष्ट्रीय स्तर से लेकर स्थानीय स्तर पर प्रयास कर रही है। शिवराज की छवि सफलतम मुख्यमंत्री के साथ किसानों, बेटियों, बुजुर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाओं से बदलाव लाने की है, इसके अलावा ओबीसी का बड़ा चेहरा भी माने जाते हैं। ऐसे में उनकी राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती भूमिका से पार्टी की तरफ कई वर्गों का रूझान बढ़ेगा।

10 डाउनिंग स्ट्रीट वाले घर को लेकर वास्तव में रोमांचित था परिवार

लंदन। ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने शनिवार को बताया कि उनके प्रधानमंत्री बनने के एक सप्ताह बाद आधिकारिक आवास के रूप में उपयोग किया जाता है। सुनक ने 'द टाइम्स' के साथ एक साक्षात्कार में बताया कि वित्त मंत्री जेरेमी हंट 11 डाउनिंग स्ट्रीट के

ऊपर के बड़े फ्लैट का उपयोग करेंगे। वे तीन बच्चों के साथ अतिरिक्त जगह पसंद करेंगे। इसके अलावा उनकी बेटियों को वह पुराना घर बहुत पसंद है, जो उनके पास वित्त मंत्री रहने के दौरान था।

10 डाउनिंग स्ट्रीट में उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति और बेटियां कृष्णा एवं अनुष्का कैसे रह रही हैं। प्रधानमंत्री बनने से पहले वित्त मंत्रालय की जिम्मेदारी संभाल चुके सुनक 10 डाउनिंग स्ट्रीट के ऊपर एक छोटे से फ्लैट में रह रहे हैं। उनका ऐसा करना असामान्य है। यह फ्लैट आमतौर पर वित्त मंत्री के आवास ऋषि सुनक ने बताया, हमने सोचा कि यह उनके (हंट) के लिए अच्छा होगा, क्योंकि उन्हें थोड़ी अतिरिक्त जगह मिलेगी। मैंने सोचा कि यह करना सही है। हमारे लिए यही अच्छा है कि हम उस जगह वापस आ गए, जहां हम पहले रहते थे। बच्चे इससे परिचित हैं और वे इसे पसंद करते हैं।

सोमालिया की राजधानी मोगादिशु में आत्मघाती बम विस्फोट,कई लोगों की मौत

सोमालिया। सोमालिया की राजधानी मोगादिशु के दक्षिणी हिस्से में शनिवार शाम एक आत्मघाती हमलावर ने मिलिट्री ट्रेनिंग फैसिलिटी को निशाना बनाया। इसमें कई लोगों के मारे जाने और घायल होने की आशंका जताई जा रही है। सुरक्षा अधिकारियों ने अपना नाम न बताने

के शर्त में वीओए मीडिया को बताया कि हमला जनरल धागाबादन सैन्य शिविर के पास हुआ है। सेना में भर्ती कई जवान की भी इस हमले में मौत हो गई है।अल-शबाब ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है और बताया कि उसके आत्मघाती हमलावर ने 100 सैनिकों को मार डाला है। वहीं स्थानीय मीडिया के अनुसार, इस हमले में लगभग 15 लोगों की मौत हुई है। सैन्य अधिकारी अदन यारे ने न्यूज एजेंसी एएफपी को बताया कि हमले में नागरिक और सेना में भर्ती जवान हताहत हुए है। सोमाली राज्य द्वारा संचालित समाचार एजेंसी सोना ने कहा कि विस्फोट सेंटर के एंट्री गेट पर हुआ। बताते चले की अब तक सरकार की ओर से हमले को लेकर कोई भी आधिकारिक बयान नहीं आया है। मोगादिशु में हुए हमले की गुंज शहर के विभिन्न हिस्सों में सुनाई दी। बताया जा रहा है कि आत्मघाती बम विस्फोट के बाद मोर्टार हमले भी हुए थे। बता दें कि ये आत्मघाती विस्फोट एक दिन बाद हुआ है जब सोमाली नेशनल आर्मी और स्थानीय कबीले मिलिशिया ने मध्य शबेले क्षेत्र के अदन-यबाल शहर के बाहरी इलाके में हुए ऑपरेशन में कम से कम 100 आतंकवादियों को मार गिराने का दावा किया था। बता दें कि सोमालिया वर्षों से खतरों का सामना कर रहा है। ये अल-शबाब इस्लामवादी देश में मुख्य खतरों में से एक हैं। मई में राष्ट्रपति हसन शेख मोहम्मद के पदभार संभालने के बाद से आंतकवादियों ने अपने हमलों में और भी तेजी कर दी है। उन्होंने देश के राष्ट्रपति का पद ग्रहण करते समय अल-शबाब के खिलाफ चौतरफा युद्ध की कसम खाई थी। गौरतलब है कि पिछले शनिवार मोगादिशु में अल-शबाब के दो-दो बम विस्फोट में 100 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। इस हमले में 300 से अधिक लोग घायल हो गए थे। ये जोरदार धमाका उस इलाके में हुए थे जहां शिक्षा मंत्रालय सहित कई सरकारी कार्यालय स्थित हैं। ये इलाका काफी भीड़भाड़ वाला माना जाता है।

ट्विटर के संस्थापक जैक डोर्सी ने पूर्व कर्मचारियों से मांगी माफी

वाशिंगटन। ट्विटर की कमान अब एलन मस्क के हाथ में आ गई है। जिसके बाद एलन मस्क ने ट्विटर के ण्धिं पराग अग्रवाल समेत कई अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया है। जिसके कारण ट्विटर के संस्थापक जैक डोर्सी ने शनिवार

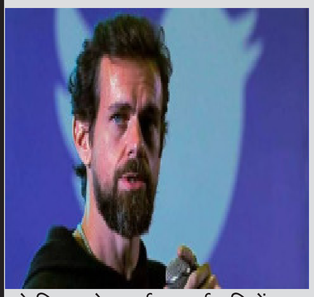

को ट्विटर के बर्खास्त कर्मचारियों से माफी मांगी है। जैक डोर्सी ने कहा कि उन्होंने माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म को बहुत तेजी से विकसित किया। जिसके बाद लगभग 50 प्रतिशत कर्मचारियों को निकाल दिया गया है। जैक डोर्सी ने आगे कहा कि ट्विटर में अतीत और वर्तमान में काम करने वाले लोग बहुत मजबूत हैं। वे अपने लिए हमेशा एक रास्ता खोज लेंगे, चाहे वह पल कितना ही कठिन क्यों न हो। मुझे कई लोगों का एहसास है कि वह मुझसे नाराज हैं। हर कोई इस स्थिति में क्यों है, इसके लिए मेरी जिम्मेदारी है। मैंने कंपनी का विस्तार बहुत तेज़ी से किया। आज उनके साथ जो हुआ है, मैं उसके लिए क्षमा चाहता हूं। जैक डोर्सी ने कहा कि मैं हर किसी के लिए आभारी हूं और उनसे प्यार करता हूं। जिन्होंने कभी भी ट्विटर में काम किया है। बता दें कि जैक डोर्सी ने पिछले साल नवंबर में पराग अग्रवाल को ट्विटर की जिम्मेदारी सौंपी थी। जिसके बाद पराग अग्रवाल ट्विटर के नए ण्धिं बने थे। हालांकि, बीते दिन एलन मस्क ने ट्विटर को खरीद लिया। जिसके बाद उन्होंने ट्विटर के कई अधिकारियों को निकाल दिया।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने तेलंगाना के अल्लादुर्ग से शुरू की भारत जोड़ो यात्रा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ तेलंगाना के

अल्लादुर्ग से 'भारत जोड़ो यात्रा' शुरू की। बता दें कि तेलंगाना में पैदल मार्च का चरण 24 अक्टूबर को शुरू हुआ था और महाराष्ट्र में प्रवेश करने से पहले 7 नवंबर को समाप्त होगा। महाराष्ट्र में 8 नवंबर को यात्रा प्रवेश करेगी। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रेवंत रेड्डी सहित राज्य के वरिष्ठ कांग्रेस नेता इस यात्रा के कार्यक्रमों का दौरा कर रहे हैं। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा को बीते रविवार ब्रेक लग गया था। सांसद राहुल गांधी को कांग्रेस के नए अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की ताजपोशी के लिए दिल्ली जाना पड़ा था। जिसके कारण तीन दिन तक भारत जोड़ो यात्रा रुकी रही। हालांकि, 27 अक्टूबर को भारत जोड़ो यात्रा फिर से शुरु हो गई थी। जानकारी के लिए बता दें कि 7 सितंबर 2022 को कन्याकुमारी से भारत जोड़ो यात्रा शुरू हुई थी। ये यात्रा अगले साल कश्मीर में खत्म होगी। यह भारत के इतिहास में किसी भी भारतीय राजनेता द्वारा पैदल सबसे लंबा मार्च है। तमिलनाडु में हरी झंडी दिखाने के बाद यात्रा पहले ही केरल, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों को कवर कर चुकी है।कांग्रेस से मिली जानकारी के राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा नवंबर के पहले सप्ताह में मध्यप्रदेश के उज्जैन पहुंचेगी। उज्जैन में ही बिहार कांग्रेस के नेताओं को यात्रा में जुड़ना है। सूत्रों के अनुसार प्रदेश के सभी प्रखंडों से दो से तीन नेता-कार्यकर्ता, जिलों से दो-दो नेता जबकि प्रदेश स्तर के सभी बड़े नेता और चुनिंदा विधायकों को इस यात्रा में शामिल होना होगा।

नाजीवाद के खिलाफ रूस के प्रस्ताव को भारत का समर्थन

न्यूयार्क। भारत ने शनिवार को संयुक्त राष्ट्र में नाजीवाद के महिमामंडन से मुकाबला करने के रूस के प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। लंबी चर्चा के बाद इस प्रस्ताव के समर्थन में 152 देशों ने वोट दिया, जबकि 52 ने विरोध में वोट डाला, 15 देश मतदान से दूर रहे। नाजी शब्द जर्मनी में हिटलर के शासनकाल में प्रचलन में आया था और यह नस्ली सोच से जुड़ा हुआ है। उल्लेखनीय है कि इसी सप्ताह यूक्रेन में जनसंहार के हथियारों की जांच के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोग बनाने के रूस के प्रस्ताव का भारत ने विरोध किया था। भारत के प्रतिनिधि ने कहा, किसी भी देश में नस्लवादी सोच नहीं थोपी जानी चाहिए। भारत ने इसी विचार के आधार पर प्रस्ताव का समर्थन किया है। संयुक्त राष्ट्र की समिति ने सात अन्य मसौदों को भी मंजूरी दी है। इनमें डिजिटल एज की गोपनीयता, मानवाधिकारों और बच्चों के शारीरिक शोषण से संबंधित मसौदे शामिल हैं। नस्लवादी भावना पर चिंता जताई गई भारत के प्रतिनिधि ने कहा कि, रूस के प्रस्ताव पर चर्चा में नाजी

आंदोलन को महिमामंडित करने, नव-नाजीवाद की भावना पैदा करने और नाजीवाद का समर्थन करने वाले संगठन वाफेन एसएस के पूर्व सदस्यों के प्रदर्शन पर चिंता जताई गई और उससे मुकाबले का संकल्प लिया गया। रूस के प्रस्ताव में दुनिया में बढ़ रही नस्लवादी भावना पर चिंता जताई गई है। इसके चलते ही दुनिया में सामुदायिक घृणा बढ़ रही है और शरणार्थी समस्या भी गंभीर हो रही है।चर्चा के दौरान कई देशों के प्रतिनिधियों ने नव नाजीवाद के नाम पर रूस की उत्पीड़न की कार्रवाइयों पर विरोध जताया और उन्होंने प्रस्ताव के विरोध में मतदान किया। बता दें कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत की तारीफ की थी। उन्होंने भारत के लोगों को प्रतिभावान बताते हुए कहा था कि वे विकास के लिए निरंतर गतिशील रहते हैं। पुतिन ने यह बात रूस के एकता दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में कही।

बिहार, यूपी और हरियाणा उपचुनाव के शुरुआती रुझान जानें- कौन, कहां से आगे

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। देश के 6 राज्यों की 7 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव की काउंटिंग जारी है। इसमें उत्तर प्रदेश की गोला गोकर्णनाथ, बिहार की मोकामा और गोपालगंज, महाराष्ट्र की अंधेरी ईस्ट, तेलंगाना की मुनुगोडे, ओडिशा की धामनगर और हरियाणा की आदमपुर

विधानसभा सीट शामिल हैं। शुरुआती रुझान आने शुरु हो गए हैं। इन सीटों पर बीते गुरुवार को मतदान हुआ था। इन 7 सीटों में से 3 पर भाजपा, 2 पर कांग्रेस और एक-एक सीट पर आरजेडी और उद्धव ठाकरे गुट की पार्टी का कब्जा था। लखीमपुर खीरी की गोला गोकर्णनाथ उपचुनाव के शुरुआती रुझानों के मुताबिक भाजपा के अमन गिरी 15,866 वोटों से आगे चल रहे हैं। समाजवादी पार्टी के विनय तिवारी 10,853 वोटों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। बिहार की मोकामा सीट पर वोटों की गिनती जारी है। एएझ्, पटना मानवजीत सिंह ढिल्लों ने बताया कि मतगणना शांतिपूर्ण चल रही है। पटना विश्वविद्यालय में मतगणना केंद्र हैं, यहां हमने त्रिस्तरीय सुरक्षा दी हुई है। अभी तक किसी भी प्रकार की कोई शिकायत नहीं मिली है और आसपास के इलाकों में पेट्रोलिंग भी की जा रही है। छठे राउंड की मतगणना के बाद मोकामा विधानसभा सीट पर राजद की नीलम देवी 22,756 मतों से आगे चल रही हैं। भाजपा की सोनम देवी 15,032 वोटों से पीछे। यहां 2 राउंड की काउंटिंग पूरी हो चुकी है। इसमें भाजपा को 5491 वोट तो आरजेडी को 9435 वोट मिले हैं।

न्यूयार्क में 37 मंजिला इमारत में लगी आग, 38 लोग हुए घायल

न्यूयार्क। न्यूयार्क के मैनहट्टन स्थित एक बहुमंजिला इमारत में लिथियम बैटरी से लगी आग के कारण 38 लोग घायल हो गए हैं, जिनमें से दो की हालत नाजुक है। दमकल अधिकारियों ने यह जानकारी दी। 37 मंजिला इमारत में लगी आग मैनहट्टन की ईस्ट 52 स्ट्रीट पर स्थित 37 मंजिला इमारत में शनिवार सुबह आग लगी और सोशल मीडिया पर घटना के साझा किए गए वीडियो में दिख रहा है कि लोग अपार्टमेंट की खिड़कियों

पर लटके हैं और दमकलकर्मी रस्सियों के सहारे धुएं से भरी इमारत से नीचे उतार रहे हैं।लिथियम बैटरी से लगी आग दमकल अधिकारियों ने बताया कि इमारत की ऊपरी मंजिलों पर रहने वाले कुछ लोग छत के रास्ते बाहर आए।न्यूयार्क की दमकल विभाग की आयुक्त लारा कवनाग ने बताया कि 20वीं मंजिल पर अज्ञात उपकरण में प्रयुक्त लिथियम बैटरी से आग लगी।हादसे में 38 लोग घायल अधिकारियों ने बताया कि घटना में 38 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से दो की हालत नाजुक है और पांच गंभीर रूप से घायल हैं।

इमरान खान के भाषणों को ऊन्न् पर प्रसारित करने पर लगा बैन

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान एक जानलेवा हमले में बाल-बाल बचे हैं। जिसके बाद से ही इमरान खान सत्ताधारी दल पर हमला बोलने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे। लेकिन, इस बीच पाकिस्तान के सभी टीवी चैनलों पर इमरान खान की प्रेस कांफ्रेंस और भाषणों के प्रसारण पर बैन लगा दिया गया है। जियो टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, सभी टीवी चैनलों पर इमरान खान के भाषणों और प्रेस कॉन्फ्रेंस के प्रसारण पर रोक लगाई है।

हालांकि, कुछ ही घंटों के बाद पाकिस्तान सरकार ने इस फैसले को वापस ले लिया है। पाकिस्तान सरकार ने पाकिस्तान इलेक्ट्रॉनिक मीडिया नियामक और प्राधिकरण को पीटीआई अध्यक्ष इमरान खान की प्रेस कांफ्रेंस के प्रसारण पर लगाए गए प्रतिबंध को हटाने का निर्देश दिया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने दिया निर्देश डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, सूचना मंत्री मरियम औरंगजेब के बयान का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने को संविधान के अनुच्छेद 19 (भाषण की स्वतंत्रता) के तहत कानूनी आवश्यकताओं के निरंतर कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने का आदेश दिया है। बयान में कहा गया है कि प्रतिबंध हटाने का निर्देश अध्यादेश 2002 की धारा 5 के तहत दिया गया था। इससे पहले नोटिस जारी कर पाकिस्तान इलेक्ट्रॉनिक मीडिया नियामक प्राधिकरण ने कहा था कि इमरान खान द्वारा मार्च के दौरान दिए गए भाषणों और प्रेस कांफ्रेंस में संस्थानों के खिलाफ आधारहीन आरोप लगाए गए थे। बयान में कहा गया कि इस तरह के बयानों को प्रसारित करने से लोगों में नफरत पैदा होने की संभावना थी और कानून-व्यवस्था के रखरखाव में भी मुश्किलें आ सकती थी।

102 एंबुलेंस में गूंजी किलकारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। चाका यूपी 41जी 2173 102एंबुलेंस एक बार फिर वरदान साबित हुई जानकारी के अनुसार बंदना पत्नी गिरीश निवासी ग्राम मदौका चाका प्रयागराज इन दिनों गर्भ से थी तो वंदना को प्रसव पीड़ा होने पर अपने घर वालों को सूचना दी तो उसके घर वालों ने 102 एंबुलेंस को फोन करके एंबुलेंस बुलाया 102 एंबुलेंस के ईएमटी जगदीश प्रसाद पायलट सुदीप के साथ मौके पर पहुंचे और बंदना को एंबुलेंस से ले जाने लगे तभी एम्बुलेंस गांव के समीप पहुँची ही थी कि अचानक वंदना का प्रसव पीड़ा बहुत बढ़ गया और ईएमटी जगदीश प्रसाद ने तुरंत तत्परता दिखाते हुए चालक को गाड़ी किनारे खड़ी करने के लिए कहा और पायलट ने सड़क के किनारे एम्बुलेंस खड़ी कर दी और

गांव की आशा की मदद से एंबुलेंस में ही सुरक्षित प्रसव कराया एक सुंदर पुत्र को जन्म दिया एवं प्रसव कराने के बाद जच्चा बच्चा दोनों को सुरक्षित सीएचसी चाकाअस्पताल में भर्ती कराया जहां पर जच्चा बच्चा दोनों स्वस्थ हैं और जच्चा-बच्चा दोनों सुरक्षित हैं। परिजनों ने एंबुलेंस के स्टाफ एवं एंबुलेंस व स्वास्थ्य सेवा का आभार प्रकट किया है। संवाददाता राकेश मिश्रा आधुनिक समाचार बारा।

जिलाधिकारी ने तेज बहादुर सप्रू चिकित्सालय (बेली) का किया निरीक्षण

अस्पताल में भर्ती मरीजों का बेहतर से बेहतर उपचार सुनिश्चित रहे मरीजो को किसी भी प्रकार की परेशानी न होने पाये

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री ने शनिवार को तेज बहादुर सप्रू चिकित्सालय (बेली) का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने वहां पर डेंगू के वार्डों में भर्ती एक-एक मरीजों के पास जाकर उनसे उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली साथ ही साथ उन्होंने भर्ती मरीजों को ढाढंस भी बंधाया कि घबड़ाने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने चिकित्सकों को भर्ती

मरीजों का ठीक ढंग से उपचार करने तथा उनकी उचित देखभाल किए जाने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने भर्ती मरीजों के सीवीसी की जांच प्रतिदिन किए जाने एवं उनके प्लेटलेट्स के बारे में भी विशेष ध्यान दिए जाने के लिए कहा है। डेंगू वार्ड में पहुंचकर जिलाधिकारी ने मरीजों की फाईलों को भी देखा तथा सम्बंधित मरीजों की स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की। एक मरीज के द्वारा आज सीवीसी की जांच न होने की शिकायत पर जिलाधिकारी ने सम्बंधित स्टॉफ नर्स से स्पष्टीकरण लेने के लिए सीएमएस से कहा है। उन्होंने भर्ती मरीजों से उनके क्षेत्रों में होने वाले फागिंग एवं एण्टीलार्वा के छिड़काव के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक से यह भी जानकारी ली कि वर्तमान समय में किस मरीज की प्लेट्लेट्स सबसे कम है तथा उसकी क्या स्थिति है। जिलाधिकारी ने अस्पताल में भर्ती मरीजों के बारे में सभी डिटेल रखने के भी निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि जिन मरीजों का प्लेटलेट्स कम है, उनका विशेष ध्यान दिया जाये। जिलाधिकारी ने चिकित्सालय में दवाओं की उपलब्धता एवं बेड़ों की उपलब्धता के बारे में भी जानकारी ली। मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि दवाओं की कोई कमी नहीं है तथा बेड भी आवश्यकतानुसार उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि भर्ती मरीजों को किसी भी प्रकार की परेशानी न होने पाये। जिलाधिकारी ने चिकित्सकों को निर्देशित किया कि अस्पताल में आने वाले सभी मरीजों का बेहतर से बेहतर उपचार सुनिश्चित हो। इसके साथ ही उन्होंने अस्पताल में आने वाले मरीजों के साथ अच्छा व्यवहार किए जाने के लिए भी कहा है। इसके पूर्व जिलाधिकारी ने बेली के ब्लड बैंक का भी निरीक्षण किया। उन्होंने वहां पर प्लेटलेट्स लेने के लिए आने वाले लोगों को तत्काल प्लेटलेट्स मुहैया कराये जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि किसी को प्लेटलेट्स उपलब्ध होने में कोई समस्या न हो। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 नानक सरन, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक बेली सहित अन्य चिकित्सकगण उपस्थित रहे।

बॉलीवुड अभिनेत्री ईशा गुप्ता का मंत्री नन्दी और महापौर ने किया स्वागत

प्रयागराज की छटा देख कर मोहित हूं अभिनेत्री ईशा गुप्ता बॉलीवुड अभिनेत्री के साथ ही उत्तर प्रदेश की बेटी होने पर है गर्वःईशा गुप्ता फिल्मी दुनिया को आकर्षित करता है प्रयागराज नोएडा में फिल्म सिटी बनने से यहां के प्रतिभाओं को मिलेगी तरजीह उत्तर प्रदेश भारतीय संस्कृति का केंद्र बिंदू है:नन्दी

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। अपनी लगन और मेहनत से बॉलीवुड में एक महत्वपूर्ण मुकाम हासिल करने वाली बॉलीवुड की स्टॉर अभिनेत्री ईशा गुप्ता आज अपनी मां सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती रेखा गुप्ता जी के साथ संगमनगरी प्रयागराज में उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री एवं प्रयागराज की महापौर श्रीमती अभिलाषा गुप्ता नन्दी के आवास बहादुरगंज पहुंचीं। जहां मंत्री नन्दी और महापौर अभिलाषा गुप्ता नन्दी ने अभिनेत्री ईशा गुप्ता व रेखा गुप्ता का स्वागत एवं अभिनन्दन किया। उन्होंने कहा कि प्रयागराज की जो महिमा सुनी है, यहां के बारे में तमाम माध्यमों से जो जाना और सुना है, वह यहां आने के बाद पूरी शिद्दत के साथ महसूस हो रहा है। ईशा गुप्ता ने कहा कि उत्तर प्रदेश के विभिन्न शहरों के साथ ही प्रयागराज में भी विकास की असीम सम्भावनाएं हैं, जो फिल्मी दुनिया को यहां आने और फिल्में बनाने के लिए आकर्षित करती हैं। उन्होंने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण संगम है, जो पूरे विश्व को प्रयागराज से जोड़ता है। ईशा गुप्ता

ने मंत्री नन्दी से नोएडा में बन रहे फिल्म सिटी को लेकर भी विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की बेटी होने के नाते उत्तर प्रदेश के विकास के लिए उत्तर प्रदेश का नाम पूरे विश्व में रौशन करने के लिए जो भी बन पड़ेगा उसे करने में कहीं से पीछे नहीं हटेंगी। इस दौरान ईशा गुप्ता ने प्रयागराज के कई युवाओं से बातचीत की, जो विभिन्न क्षेत्रों में सामाजिक कार्य कर रहे हैं। प्रयागराज की छटा के साथ ही यहां की धार्मिक, सामाजिक और आर्थिक ख्याति को सोशल मीडिया व अन्य माध्यमों के जरिये न सिर्फ भारत में बल्कि पूरे विश्व में फैला रहे हैं। मंत्री नन्दी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तरर प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए नोएडा में फिल्म सिटी स्थापित करने का जो संकल्प लिया है, उसे जरूर पूरा किया जाएगा। मंत्री नन्दी ने कहा कि फिल्मी दुनिया के लिए उत्तर प्रदेश में सब कुछ है। उत्तर प्रदेश भारतीय संस्कृति का केंद्र बिंदू है। प्राचीन पौराणिक कालखंड से लेकर अर्वाचीन काल तक देश की आजादी की लड़ाई में उत्तर प्रदेश का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। यहां भगवान श्री राम से लेकर श्री कृष्ण तक की जन्मस्थली है। गंगा-यमुना की संगमस्थली प्रयागराज भी यहीं है।

बेसिक शिक्षा विभाग की मंडलीय संगोष्ठी मंडलायुक्त प्रयागराज की अध्यक्षता में संपन्न

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन प्रयागराज के सभागार में विजय किरन आनंद, महानिदेशक स्कूली शिक्षा (बेसिक एवं माध्यमिक) उ. प्र. की गरिमामयी उपस्थिति में

विजय विश्वास पंत, मंडलायुक्त, प्रयागराज मंडल की अध्यक्षता में तनूजा त्रिपाठी, मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक), प्रयागराज मंडल के संयोजन में मंडल के समस्त मुख्य विकास अधिकारियों, बेसिक शिक्षा अधिकारियों, जिला पंचायतराज अधिकारियों ने सभी जनपदों के जिला समन्वयकों, सहायक वित्त एवं लेखाधिकारियों व खंड विकास अधिकारियों, खंड शिक्षा अधिकारियों, मंडल के सभी जनपदों के समस्त एसआरजी व समस्त एआरपी प्रतिभाग कर निपुण भारत मिशन को साकार करने का संकल्प लिया। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा विभाग ने बेसिक शिक्षा के विद्यालयों में नामांकित सभी बच्चों को सत्र 2025-26 तक निपुण बनाने की कार्ययोजना का क्रियान्वयन करने की जारी राजाज्ञा के अनुक्रम में उत्तर दायित्व निर्वहन करने व अपेक्षित लक्ष्य प्राप्ति करने का प्रयास किया जा रहा है। महानिदेशक उप्र ने अपने संबोधन में मुख्यतः कक्षा - कक्ष में सकारात्मक रूपांतरण करने के लिए सभी प्रतिभागियों का आह्वान किया। डी जी स्कूली शिक्षा ने संदर्शिकाओं के आधार पर कक्षा कक्ष में सकारात्मक रूपांतरण करें। प्रिंट समृद्ध सामग्री का इस्तेमाल करते हुए बच्चों की जिज्ञासा का वर्तुल खोलें व उनके आजीवन सीखने का मार्ग प्रशस्त करें। मंडलायुक्त महोदय ने अभिप्रेरित करने व लगातार सीखने व सीखते रहने की अभिप्रेरणा देते हुए निर्धारित समय तक निपुण मंडल बनाने के लिए सभी संबंधित का आह्वान किया, और कहा कि बच्चों को सपने में दिखाएं व उनके स्वर्णिम भविष्य के सपने को बुनते हुए विद्यालयों में नामांकित बच्चों को कक्षागत मुख्य धारा में लाने के लिए सकारात्मक भूमिका का निर्वहन करने की आवश्यकता है।

बेइमानी से चुनाव जीतने में माहिर है भाजपा उप चुनाव में भाजपा की जीत पर कसा तंज

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। राकेश टिकैत ने कहा है कि अगला निशाना है प्रेस और मीडिया की आजादी है। कहा कि जब तक मीडिया अपनी जान बचा सकती है बचा ले। उन्होंने कहा है कि जब-जब भी चुनावों में बेईमानी की जाएगी तो नतीजों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी की गोला गोकर्णनाथ सीट पर हुए उपचुनाव में बीजेपी प्रत्याशी अमन गिरी की जीत पर भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने बीजेपी सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने सरकार पर से उपचुनाव जीतने का आरोप लगाया है। राकेश टिकैत ने कहा है कि अगला निशाना है प्रेस और मीडिया की आजादी है। कहा कि जब तक मीडिया अपनी जान बचा सकती है बचा ले। उन्होंने कहा है कि जब-जब भी चुनावों में बेइमानी की जाएगी तो नतीजों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा है बीजेपी की केंद्र और प्रदेश में सरकार है। ऐसा लगता है कि चुनाव आयोग भी उनके साथ है।इन्हीं के अधिकारी भी हैं। इसलिए बीजेपी लगातार चुनाव में जीत हासिल कर रही है।राकेश टिकैत ने आरोप लगाया है कि पूरी प्रदेश सरकार बेईमानी से बनी है और उपचुनाव में भी बेइमानी से बीजेपी ने जीत हासिल की है। हालांकि राकेश टिकैत ने कहा है कि 2024 में भी

केंद्र में बीजेपी की ही सरकार बनेगी। लेकिन वह भी बेइमानी से ही बनेगी। उन्होंने कहा है कि जनता इन्हें यानि बीजेपी को वोट नहीं देगी, लेकिन केंद्र में अगली सरकार भी बेइमानी से बीजेपी की ही बनेगी। वहीं यूपी में होने वाले निकाय चुनाव को लेकर राकेश टिकैत ने कहा है कि निकाय चुनाव में गांव के लोग लाठी लेकर तैयार रहेंगे।

महाकुंभ २०२५ के दृष्टिगत मंडल आयुक्त की अध्यक्षता एवं मेला अधिकारी, कुंभ मेला समेत सभी संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति में आयुक्त बैठक संपन्न हुई

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। मंडलायुक्त ने 2 वर्ष या इससे अधिक समय लगने वाली परियोजनाओं की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) उसके औचित्य एवं पर्ट चार्ट (जो परियोजना की समयरेखा दर्शाने हेतु प्रयोग किया जाता है) समेत नवंबर माह में ही पूर्ण करा कर शासन में अग्रसारित कार्य जनवरी 2023 तक पूर्ण करने तथा तथा सभी परियोजनाओं को अक्टूबर 2024 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखने की बात की गई।महाकुंभ 2025 को और दिव्य एवं भव्य बनाने के दृष्टिगत मंडल आयुक्त श्री विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता एवं मेला अधिकारी, कुंभ मेला, श्री विजय किरण आनंद समेत जिन स्थानों पर अतिक्रमण हटाने की आवश्यकता है उनका चिन्हांकन कर मार्किंग करने का कार्य भी शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही जिन कार्यों में सेना के अधिकारियों से समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता है उसकी एक अलग सूची तैयार करने को कहा गया है ताकि संबंधित

करने के निर्देश दिए हैं। जिन परियोजनाओं में भूमि अधिग्रहण अथवा अतिक्रमण हटाने की आवश्यकता है उसकी एक अलग सूची तैयार कर जिलाधिकारी से समन्वय स्थापित कर शीघ्र पूर्ण कराने को कहा। जिन स्थानों पर अतिक्रमण हटाने की आवश्यकता है उनका चिन्हांकन कर मार्किंग करने का कार्य भी शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए। जिन कार्यों में सेना से समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता है उसकी एक अलग सूची तैयार करने को कहा गया है। विजय किरण आनंद ने सभी दीर्घकालीन परियोजनाओं की संस्तुति अपने विभागाध्यक्ष से कराते हुए औचित्य के साथ ही शासन में अग्रसारित करने के सुझाव दिए। पिछले कुंभ मेले की इन्वेंटरी का विवरण भी तैयार रखने को कहा है। सभी डीपीआर नवंबर 2022 तक पूर्ण करने, टेंडर का सभी संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति में आयुक्त कार्यालय स्थित गांधी सभागार में बैठक संपन्न हुई जिसमें दीर्घकालीन परियोजनाओं की डेडलइन संबंधित आवश्यक चर्चा की गई। विभाग वार परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए मंडलायुक्त ने 2 वर्ष या इससे अधिक समय लगने वाली परियोजनाओं की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) उसके औचित्य एवं पर्ट चार्ट (जो परियोजना की समयरेखा दर्शाने हेतु प्रयोग किया जाता है) समेत नवंबर माह में ही पूर्ण करा कर शासन में अग्रसारित करने के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में मंडलायुक्त ने जिन परियोजनाओं में भूमि अधिग्रहण अथवा अतिक्रमण हटाने की आवश्यकता है उसकी एक अलग सूची तैयार करने के निर्देश दिए हैं ताकि इन कार्यों को जिलाधिकारी से समन्वय स्थापित कर शीघ्र पूर्ण कराया जा सके। अधिकारियों से उन मुद्दों पर अलग से चर्चा की जा सके। समीक्षा के दौरान श्री विजय किरण आनंद ने सभी विभागीय अधिकारियों को अपने-अपने विभाग की दीर्घकालीन परियोजनाओं की संस्तुति अपने विभागाध्यक्ष से कराते हुए औचित्य के साथ ही शासन में अग्रसारित करने के सुझाव दिए हैं ताकि उन्हें अस्वीकृत होने से बचाया जा सके। इसके अतिरिक्त पिछले कुंभ मेले की इन्वेंटरी का विवरण भी तैयार रखने को कहा है जिससे कि आवश्यकता पड़ने पर पूर्व में खरीदी गई सामग्री की अद्यतन स्थिति के बारे में भी शासन को अवगत कराया जा सके। बैठक में सभी दीर्घकालीन परियोजनाओं के डीपीआर नवंबर 2022 तक पूर्ण करने, टेंडर का कार्य जनवरी 2023 तक पूर्ण करने तथा सभी परियोजनाओं को अक्टूबर 2024 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखने की बात की गई।

प्रयागराज में डेंगूः मरीज़ों की संख्या 1 हज़ार पार, स्वास्थकर्मी बीमार, जाड़े के भरोसे विभाग

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। संगम नगरी में स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक अभी तक डेंगू के 1014 मरीज मिल चुके हैं। इसकी पुष्टि एलाइजा टेस्ट से हुई है जो इस बीमारी के लिए की जाने वाली यह सबसे भरोसेमंद जांच कहलाती है। वहीं कार्ड टेस्ट में पॉजिटिव आने वाले डेंगू मरीजों की संख्या 6 हजार के पार है। इसके साथ ही रोज सैंकड़ों मरीज डेंगू की जांच के लिए लोग लाइन में खड़े मिल रहे हैं।

इक तरफ़ मरीज़ों का यह हाल है वहीं अस्पतालों में इन मरीज़ों की सेवा में लगे कई स्वास्थकर्मी स्वयं या इनके परिजन वायरल बुखा़र की चपेट में हैं। लेकिन इनको काम करना पड़ रहा है। कारण इनको छुट्टी नही मिल रही है। अस्पतालों में पहले से ही स्वास्थकर्मियों की कमी है। वहीं अपने मोहल्ले में फ़ॉगिंग के लिए लोग पार्षदों और नगर निगम के अफ़सरों से सिफ़ारिश करवा रहे हैं। ज़िले के यह हाल हैं लेकिन डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक प्रयागराज दौरे पर आए तो यहां के आला अधिकारियों ने उनके सामने बताया कि जिले में प्लेटलेट्स की कोई कमी नहीं है। अस्पतालों में पर्याप्त बेड खाली हैं। मरीजों को कोई असुविधा नहीं है। लेकिन, स्थिति यह है कि वार्ड फुल हैं और मरीज वेटिंग में हैं। विभाग अब पूरी तरह जाड़े के भरोसे है। अब तक यही देखने में आया है की जाड़े में डेंगू के मच्छर खत्म हो जाते हैं। नीचेः टेस्ट करवाने के लिए खड़े मरीज, एडमिट होने के इंतज़ार में बैठे मरीज।

रेल मंत्री ने दो दिवसीय दौरे के दौरान बनारस स्टेशन का गहन निरीक्षण कर हुए गदगद

(आधुनिक समाचार सेवा)
वाराणसी। रेल व संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अपने दो दिवसीय वाराणसी दौरे में वाराणसी परिक्षेत्र से जुड़ी रेल परियोजनाओं का निरीक्षण कर कार्य प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान आज शनिवार को पूर्वाह्न रेल व संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव पूर्वोत्तर रेलवे के बनारस रेलवे स्टेशन पहुँचे और स्टेशन की चौमुखी विकास की गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के उपरान्त बनारस स्टेशन का चतुर्दिक विकास और साफ-सफाई देख रेल मंत्री गदगद नजर आए वाराणसी मंडल के बनारस स्टेशन पर प्रवेश के साथ ही रेल मंत्री श्री वैष्णव ने स्टेशन के भव्य सामान्य यात्री हाल में एक स्टेशन एक उत्पादठ योजना के अंतर्गत लगाये गये वाराणसी के विश्व-प्रसिद्ध काष्ठ कला- कलाकृतियों एवं आजमगढ़ की ब्लैक पॉटरी स्टाल का निरीक्षण किया। उन्होंने बड़ी बारीकी से स्टालों के उत्पादों का परीक्षण किया व स्टाल संचालकों से उनके उत्पाद के निर्माण में प्रयुक्त समाग्रियों, कार्य कौशल एवं उनकी बिक्री में हुई बढ़ोत्तरी का संज्ञान लेकर स्टालों के उत्पादों की सराहना की। तदुपरांत रेल मंत्री ने प्लेटफार्म सं 8 पर स्थित विभिन्न स्टालों एवं कार्यालयों का निरीक्षण करते हुए स्टेशन के वीआईपी लाउन्ज

पहुँचे।उन्होंने बनारस रेलवे स्टेशन की साफ-सफाई स्टेशन पर उपलब्ध उच्चस्तरीय यात्री सुख सुविधाओं एवं उनके रख-रखाव पर प्रसन्नता व्यक्त की।रेल मंत्री ने बनारस स्टेशन के वीआईपी लाउन्ज में महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे अशोक कुमार मिश्र, महाप्रबंधक उत्तर रेलवे आशुतोष गंगल व महाप्रबंधक बरेका सुश्री अंजली गोयल, मंडल रेल प्रबंधक वाराणसी रामाश्रय पाण्डेय,मंडल रेल प्रबंधक लखनऊ एस0के0 सापरा एवं पूर्वोत्तर रेलवे तथा उत्तर रेलवे के प्रमुख विभागाध्यकक्षों व् मंडलीय अधिकारीयों के साथ रेल प्रबंधन में वांक्षित बदलाव लाने,कार्यप्रणाली में गति लाने, संस्थागत क्षेत्र में कुशल अधिकारीयों को उच्च पदों पर परम्परागत कार्यप्रणाली में सुधार लाने के सम्बन्ध में मंत्रणा की और तदनुसार दिशा निर्देश दिया इस दौरान रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज सुबह आठ बजे गंगानदी पर बने मालवीय पुल का निरीक्षण भी किया साथ ही काशी स्टेशन पर इंटर मॉडल स्टेशन प्रोजेक्ट के तहत चल रहे विकास कार्यो के निरीक्षण के उपरान्त पत्रकारों से औपचारिक वार्ता करते हुए उन्होंने ने कहा कि गंगा नदी पर मालवीय पुल के समानांतर बनने वाले नये रेल सह सड़क पुल पर रेल संचलन हेतु चार लाइने होगी एवं हाई-वे सड़क छह लेन की होगी। काशी स्टेशन के पौराणिक महत्व को देखते हुए इसका पुनर्निर्माण हेतु 350 करोड़ की लागत से भव्य तरीके से कुछ इस प्रकार से किया जायेगा। काशी स्टेशन पर बनारस के प्राचीन मंदिरों की झलक मिलेगी आस-पास के क्षेत्र में व्यवसायिक गतिविधियों को बढ़ावा देकर इस क्षेत्र का विकास किया जायेगा।इसके तदुपरांत रेलमंत्री अपने अगले गंतव्य रायबरेली के लिए अपनी निरीक्षण विशेष गाड़ी से विन्डो ट्रेलिंग निरीक्षण करते हुए रवाना हुए।इस आशय की जानकारी पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर के मुख्यजनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह व मण्डल रेल प्रबन्धक वाराणसी के जनसम्पर्क अधिकारी अशोक कुमार ने दी।

मुंबई से वाराणसी आ रहा गो एयरलाइंस का विमान मौसम खराब होने के कारण डायवर्ट होकर कोलकाता पहुंचा

(आधुनिक समाचार सेवा)
वाराणसी। मुंबई से वाराणसी आ रहा गो एयरलाइंस का विमान रविवार को सुबह वाराणसी में मौसम खराब होने और दृश्यता कम होने के कारण डायवर्ट होकर

कोलकाता पहुंच गया। दो घंटे बाद मौसम वाराणसी एयरपोर्ट पर सामान्य होने के बाद विमान वापस वाराणसी आया। विमान में 180 यात्री सवार थे।जिनको काफी परेशानी हुई। गो एयरलाइन्स का विमान जी8 1381 रविवार को अपने निर्धारित समय सुबह 4:30 बजे से 45 मिनट की देरी से 5:15 बजे लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट वाराणसी के लिए उड़ान भरा था। सुबह सात बजे वाराणसी हवाई क्षेत्र में पहुंचा और एटीसी से विमान उतरने की इजाजत मांगी लेकिन रनवे पर दृश्यता कम होने के कारण एटीसी ने विमान को लैंडिग की अनुमति नहीं दी। विमान लगभग एक घण्टे तक हवा में चक्कर काटता रहा। मौसम में सुधार न होने के कारण और ईंधन खत्म होने की स्थिति में विमान को आठ बजे एटीसी द्वारा विमान को कोलकाता एयरपोर्ट के लिए डायवर्ट किया गया। वाराणसी एयरपोर्ट पर मौसम समान्य होने पर पर विमान पुनः 10 बजे कोलकाता से उड़ान भरा और 11बजे वाराणसी पहुंचा। एयरपोर्ट निदेशक अर्यमा सान्याल ने बताया कि मुंबई से वाराणसी आ रहा विमान वाराणसी एयरपोर्ट पर मौसम खराब होने के कारण विमान को डायवर्ट कर कोलकाता भेजा गया।

जनपद में डेंगू एवं संचारी रोग के नियंत्रण हेतु की गई तैयारियों की समीक्षा की बैठक

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज।के दृष्टिगत मंडलायुक्त एवं महापौर की अध्यक्षता तथा जिलाधिकारी अन्य संबंधित अधिकारियों एवं पार्षदों की उपस्थिति में बैठक संपन्न हुई जिसमें पार्षदों द्वारा महत्वपूर्ण फीडबैक दिए सुझाव देगी। मंडलायुक्त ने जोन 1 एवं 6 के जोनल अधिकारी नीरज सिंह के मीटिंग में अनुपस्थित रहने पर अपर नगर आयुक्त से उनकी अनुपस्थिति के कारण के बारे में जानकारी प्राप्त कर उन्हें अवगत कराने के निर्देश भी दिए। साथ ही

ग मंडलायुक्त ने जोन वार समितियों का गठन करने के निर्देश दिए हैं जिसमें पार्षद, अधिकारी, कर्मचारी समेत उस जोन के वरिष्ठ नागरिक (डॉक्टर, वकील आदि) भी सम्मिलित रहेंगे। समिति प्रतिदिन समन्वय बनाते हुए पिछले दिन हुए कार्यों की समीक्षा करेगी तथा अगले दिन होने वाले कार्यों पर चर्चा कर अपर नगर आयुक्त रत्नप्रिया को कार्यों में लापरवाही बरतने पर कठोर चेतावनी दी जिलाधिकारी ने हर जोन में 8 हेल्थ कैंप लगाकर मरीजों के उपचार में यथासंभव सहयोग करने को कहा है। कैंप लगाते समय पार्षदों से समन्वय बनाते हुए उन्हें हर चीज के बारे में अवगत कराने के भी निर्देश दिए हैं।

बाहुबली संसद मुख्तार अंसारी के बेटे पर ईडी का कसा शिकंजा

(आधुनिक समाचार सेवा)
वाराणसी। अब्बास अंसारी को पूछताछ के लिए भेजा गया 14 दिन के लिए न्यायिक हिरासत में ईडी ने मांगी 14 दिन की हिरासत जिसे कोर्ट ने किया अप्रूवल अब्बास अंसारी के वकील की मांग हिरासत के दौरान साथ में रहे वकील जिस पर कोर्ट करेगी सुनवाई मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में कल 9 घंटे की पूछताछ के बाद अब्बास अंसारी को ईडी ने लिया था हिरासत में। 1:30 बजे प्रवर्तन निदेशालय में कोर्ट में किया पेशी से पहले स्वरूप रानी अस्पताल में हुई थी मेडिकल जांच। 1 घंटे की लंबी सनी के बाद प्रवर्तन निदेशालय के मांग पर कोर्ट ने अब्बास अंसारी की हिरासत को किया मंजूर। 14 दिनों की हिरासत के बाद प्रवर्तन निदेशालय पेश करेगी कोर्ट को अपनी जांच रिपोर्ट। जिसके बाद कोर्ट तय करेगी आगे की करवाई। पूछताछ के दौरान वकील मौजूद होंगे या नहीं इस पर अभी नहीं लिया गया है कोई फैसला। अब्बास अंसारी के वकीलों ने आरोप पत्र की कॉपी मांगी जिस पर कोर्ट कुछ देर में देगी अपने दिशा निर्देश।

मुठभेड़ में दो अपराधी गिरफ्तार एक के पैर में लगी गोली, मुंबई से लौटे व्यक्त की की थी हत्या

(आधुनिक समाचार सेवा)
जौनपुर। पुलिस ने शनिवार की भोर में जोगापुर नहर पुलिया के पास मुठभेड़ में दो अंतर्जनपदीय अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। एक के पैर में गोली लगी है। दोनों ने पिछले महीने मुंबई से कमाकर घर लौट रहे व्यक्ति की हत्या कर शव तालाब में फेंक दिया था। मौके से दो तमंचा, कारतूस व वारदात में इस्तेमाल बाइक बरामद हुई है। गत 24 अक्टूबर को रामपुर के आशापुर सिरौली निवासी जिलाजीत मुंबई से कमाकर गोदान एक्सप्रेस से घर आ रहे थे। ट्रेन के जंघई पहुंचने पर जिलाजीत ने घर वालों को फोन कर कहा था कि दो परिचित लोग मिल गए हैं। उन्हीं के साथ घर आ जाएगा। स्टेशन पर किसी को लेने आने की जरूरत नहीं है। इसके बाद वह लापता हो गया। 26 अक्टूबर को ददरा गांव में तालाब में उसका शव मिला था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि के बाद पुलिस कातिलों की तलाश में जुटी थी। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ओम नारायण सिंह को खबर लगी कि उक्त वारदात को अंजाम देने वाले दो अपराधी किसी और घटना को अंजाम देने के इरादे से बाइक से मड़ियाहूं की तरफ आने वाले हैं। ओम नारायण सिंह ने हमराहियों के साथ भोर में 3.30 बजे जोगापुर नहर पुलिया पर घेराबंदी कर ली। बाइक सवार दो संदिग्धों के कुछ ही देर बाद आने पर

रोकना चाहा तो वह पुलिस टीम पर गोलियां चलाते हुए भागने लगे। एक गोली प्रभारी निरीक्षक की बुलेटप्रूफ जैकेट में लगी। पुलिस ने जवाबी फायरिंग की तो पीछे बैठे बदमाश के पैर में लगी। दोनों बाइक समेत गिर गए। पुलिस ने दोनों को दबोच लिया। गिरफ्तार बदमाशों में गोली से घायल राजेंद्र पटेल निवासी चकिया धम्मौर जबकि दूसरा राजेश गौतम निवासी सैफखानपुर चिल्हाराय थाना बहरिया प्रयागराज हैं। मौके पर पुलिस को दो तमंचे, कारतूस व घटना में प्रयुक्त बाइक मिली। घायल राजेंद्र पटेल को पुलिस सीएचसी लाई। डाक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद बीएचयू ट्रामा सेंटर भेज दिया। पूछताछ में दोनों ने जिलाजीत की हत्या करना स्वीकार किया। एसआइ शिव भंजन प्रसाद, एसआइ लल्लन सिंह, एसआइ बृज कुमार मिश्रा, हेड कांस्टेबल दीपचंद चौहान, सुखराज, रामबली यादव, सतीश यादव, कृष्ण मुरारी यादव, कांस्टेबल राजन भानू, राम आशीष यादव, जितेंद्र देव पांडेय, राजेंद्र प्रसाद, सूर्य कुमार यादव व आलोक कुमार। दोनों के विरुद्ध दर्ज हैं कई संगीन आपराधिक मुकदमे एएसपी (ग्रामीण) शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि राजेश गौतम व राजेंद्र पटेल कुख्यात अपराधी हैं। राजेश गौतम के विरुद्ध प्रयागराज, जौनपुर व प्रतापगढ़ के विभिन्न थानों में लूट, चोरी, गैंगस्टर एक्ट, गुंडा एक्ट, आर्म्स एक्ट, हत्या आदि के 24 जबकि राजेंद्र पटेल के विरुद्ध पांच मुकदमे दर्ज हैं।

आजमगढ़ के निकाय चुनाव में 'पाकिस्तान' की एंट्री

(आधुनिक समाचार सेवा)
आजमगढ़। जिले में निकाय चुनाव में पाकिस्तान के समर्थन में दो दिनों पूर्व हुई एंट्री की वजह से जिला पुलिस भी अब छिपे चेहरों को सामने लाने की तैयारी में जुट गया है। पुलिस के अनुसार पाकिस्तान जिंदाबाद के नारों के पीछे गहरी साजिश और बड़े सियासी चेहरे की पहचान कर रही है। आपत्तिजनक नारा नगर निकाय चुनाव की तैयारियों से जुड़े बसपा के जुलूस में लगाए जाने के कारण पुलिस ने तफ्तीश का दायरा बढ़ा दिया है। सर्विलांस की भी मदद ली जा रही है, जिससे उस घटनाक्रम की जड़ें तलाशी जा सकें। हालांकि, घटना के तुरंत बाद केस दर्ज कर

हैं। इसको उजागर करने के लिए सर्विलांस का भी सहारा लिया जा रहा है। निकाय चुनाव की तैयारियों से जुड़े जुलूस में घटना होने से पुलिस ने तफ्तीश का दायरा बढ़ा दिया है। वीडियो फुटेज से पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाने वालों की पहचान करने के साथ ही पुलिस सर्विलांस का भी सहारा साजिश बेनकाब करने के लिए ले रही है। दरअसल बसपा के निकाय चुनाव में जुलूस के दौरान जहानागंज क्षेत्र में आपत्तिजनक नारे लगाए गए थे। आजमगढ़ पुलिस अब इस करतूत का वायरल वीडियो के आधार पर जांच में जुटी हुई है। पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाकर प्यार लुटाने वाले कइयों पर कानून का शिकंजा कसेगा। पुलिस सीसीटीवी कैमरे के जरिए जुलूस में शामिल रहे एक-एक चेहरों छह लोगों की गिरफ्तारी कर पुलिस सख्ती का संदेश दे चुकी है। जहानागंज की गलियों में गुरुवार को पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे गूंजे थे। यह जुलूस चेयरमैन पद का चुनाव लड़ने की तैयारी में लगे पप्पू मुफीद के समर्थन एवं उसकी मौजूदगी में निकाला गया था। जुलूस की पिछली लाइन से पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे बुलंद किए थे। इसका वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हुआ, तो पुलिस ने पप्पू खान उर्फ मुफीद आलम निवासी इस्लामपुर, मोहम्मद अफजल निवासी बरहतिर जगदीशपुर, खुर्शीद अहमद निवासी पश्चिम जहानांगज कस्बा, मकसूद आलम, अब्दुल वासिद व जुबेर अहमद निवासी इस्लामपुर को गिरफ्तार कर लिया।

छठ पर्व के बाद वापसी शुरू, डाला छठ के बाद वापसी के कारण ट्रेनों में भीड़, यात्रियों में संघर्ष

(आधुनिक समाचार सेवा)
गाजीपुर। छठ पर्व के समाप्त होते ही ट्रेनों में भीड़ फिर से बढ़ने लगी है। त्योहार मनाने के बाद वापस लौट रहे लोगों के चलते लोकल ट्रेनों से लेकर एक्सप्रेस ट्रेनों में भी जबर्दस्त भीड़ रह रही है। ट्रेन की बोगियों में चढ़ने के लिए यात्रियों को संघर्ष करना पड़ रहा है। ट्रेनों का ठहराव भी महज दो मिनट का है। शनिवार को स्थानीय रेलवे स्टेशन सहित जमानियां स्टेशन पर यात्रियों की खासी भीड़ लगी रही। भीड़ को देखते हुए आरपीएफ व जीआरपी के जवान चक्रमण करते रहे। विभिन्न महानगरों से छठ मनाने घर आए लोग वापस लौटने लगे हैं। रेलवे स्टेशन का सूनापन एक बार फिर से कोलाहल में बदल गया है।

लोकल या एक्सप्रेस हर ट्रेन के लिए यात्रियों की भीड़ शनिवार को देखी गई। दिल्ली जाने वाली श्रमजीवी, ब्रह्मपुत्र मेल, फरक्का, मगध व मुंबई जाने वाली कुर्ला पटना एक्सप्रेस, पाटलिपुत्र लोकमान्य तिलक सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन में यात्रियों को बैठने की जगह भी नहीं मिली। यहां तक कि बोगियों में चढ़ने के लिए महिलाओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। न्दानापुर से सिकंदराबाद को जाने वाली ट्रेन में तो भारी भीड़ थी स्लीपर कोच तो जनरल की तरह भरे हुए थे और जनरल कोच में गेट के बाहर तक यात्री झूले पड़े थे।

100% Placement

सीधे प्रवेश

15% Fee Concession

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)
(पहले आओ पहले पाओ)

❖ प्रशिक्षण में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को रोजगार पाने का पूर्ण अवसर
❖ हाइस्कूल में 60% से उपर अंक लाने वाले छात्रों को प्रशिक्षण शुल्क में 15% प्रतिशत की छूट दी जायेगी।

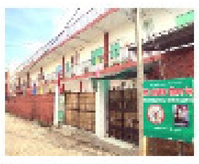

➢ कम्प्युटर आपरेटर (कोपा) फिटर
➢ डेटा इंट्री आपरेटर वेल्डर
➢ फायर सेफ्टी सीसीए
➢ कम्प्युटर टीचर ट्रेनिंग रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
➢ इलेक्ट्रीशियन सिक्योरिटी सर्विस
➢ सीएनसी प्रोग्रामिंग बेसिक कम्प्युटर
➢ इलेक्ट्रिक मैकैनिक कम्प्युटर हाडवेयर

Apply Online: www.nainiiti.com | Mail us at – info@nainiiti.com

प्रवेश हेल्पलाइन नं0
8081180306 , 9415608710 , 8103021873
⇨ इण्डियन कॉफी हाउस के सामने तुलसीयानी प्लाजा , तीसरी मंजिल , सिविल लाइन , प्रयागराज।

विकासखंड चोपन के ग्राम सभा बिल्ली मारकुंडी के पंचायत भवन पर की गई बैठक

(आधुनिक समाचार सेवा)
डाला/ओबरा । विकासखंड चोपन के ग्राम सभा बिल्ली मारकुंडी के पंचायत भवन पर बैठक के दौरान सदस्य और प्रधान पति में झड़प का आरोप प्रत्यारोप पुलिस ने किया एनसीआर दर्ज किया । ग्राम सभा बिल्ली मारकुंडी के पंचायत भवन पर शुक्रवार की दोपहर में खंड विकास अधिकारी चोपन ग्राम विकास अधिकारी दीपक सिंह व सदस्य गणों इत्यादि की मौजूदगी में विकलांग पेंशन वृद्धा पेंशन आवास आधार कार्ड को लिंक इत्यादि से संबंधित ग्रामीणों को सरकारी जन सुविधाओं के लाभ को लेकर बैठक किया गया ।ग्राम पंचायत सदस्य अक्षय पांडे ने प्रधान पति अमरेश यादव पर मारपीट का आरोप लगाते हुए बताया कि ग्राम पंचायत की बैठक आहूत की गई थी बैठक में मैं भी प्रतिभाग कर रहा था की बैठक में कुछ मुद्दों पर मेरे द्वारा

विरोध किया जा रहा था उसी बात को लेकर प्रधान पति अमरेश यादव द्वारा मेरे साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट किया गया । इस घटना के संबंध में अक्षय पांडे द्वारा थाना प्रभारी ओबरा को तहरीर दिया गया जिस पर पुलिस ने एनसीआर दर्ज कर लिया है । इस घटना के संबंध में उपस्थित अधिकारी से पूछे जाने पर बताया गया कि किसी प्रकार की मारपीट की घटना नहीं हुई है । सदस्य और प्रधान पति में कुछ मुद्दों को लेकर कहासुनी हुई थी । प्रधान पति अमरेश यादव से इस घटना के बारे में पूछे जाने पर उनके द्वारा बताया गया की बैठक में उपस्थित खंड विकास अधिकारी चोपन के चले जाने के बाद ग्राम पंचायत सदस्य अक्षय पांडे विलंब से आकर बैठक में उपस्थित होने पहुंचे और सारे सदस्यों की बैठक को पुनः कराने की मांग करने की जिद करने लगे जिसको लेकर आपस में कुछ कहासुनी हुई थी गाली व मारपीट की घटना को इनकार करते हुए अपने को निर्दोष बताया गया और कहा की बैठक में उपस्थित लोगों से इस घटना की जांच पड़ताल कर लिया जाए सही और गलत वहां पर उपस्थित लोग ही बताएंगे ।

दहेज के लिए पत्नी कि हत्या करने वाले पति को दस वर्ष कि कैद

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। साढ़े पांच वर्ष पूर्व हुई शकुंतला हत्याकांड के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय राहुल मिश्रा की अदालत ने शनिवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी पति समेत तीन लोगों को 10-10 वर्ष की कैद व 16-16 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। वहीं अर्थदंड न देने पर एक-एक वर्ष की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जबकि आरोपी जेठ नन्दू को साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त करार दिया। अभियोजन पक्ष के मुताबिक ओबरा थाने में 16 मई 2017 को दी तहरीर में कोन थाना क्षेत्र के चेरवाडीह टोला ललकी दामर गांव निवासी सरसती देवी पत्नी सरजू चेरो ने अवगत कराया था कि उसकी बेटी शकुंतला देवी की शादी 3 वर्ष पूर्व ओबरा थाना क्षेत्र के खैरटिया गांव निवासी विनोद उर्फ विंदु चेरो पुत्र अयोध्या चेरो के साथ हुआ था। जब बेटी विदा होकर अपनी ससुराल गई तो वहां पर दहेज में माता, पिता व भाई द्वारा कुछ न देने का ताना मरते हुए रुपये की मांग को लेकर उसका पति विनोद उर्फ विंदु चेरो, ससुर अयोध्या चेरो, सास बुधनी व जेठ नन्दू उसे प्रताड़ित करने लगे। जब भाई शिवकुमार बहन शकुंतला के घर जाता तो उसे समझा बुझाकर घर आ जाता था। दहेज की मांग पूरी नहीं हुई तो 5 मई 2017 को बेटी शकुंतला देवी को सभी लोग मिलकर उसका गला दबाकर मार डाला। इस तहरीर पर ओबरा पुलिस ने दहेज हत्या में एफआईआर दर्ज कर लिया और पुलिस विवेचना के दौरान पर्याप्त सबूत पाए जाने पर विवेचक ने न्यायालय में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी पति विनोद उर्फ विंदु चेरो, ससुर अयोध्या व सास बुधनी व को 10-10 वर्ष की कैद व 16-16 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। वहीं अर्थदंड न देने पर एक-एक वर्ष की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जबकि आरोपी जेठ नन्दू को साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त करार दिया। अभियोजन पक्ष की ओर से अभियोजन अधिकारी विजय प्रकाश यादव ने बहस की।

रात्रि के अधरे मे गुरमा वन क्षेत्र के अन्तर्गत अवैध तरीके से हो रहा है खनन

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। रात 8 बजे से लेकर सुबह 7 बजे तक होता है अवैध खनन गुरमा रेंज में आने वाले क्षेत्र में हो रहा है अवैध खनन लिया जाता है मोटी रकम योगी सरकार में नही लग रहा है किसी को डर है, जिसे नदी में खनन कर्ताओं द्वारा बनाए गए रास्ते पर वाहनों के टायर के लकीर व बालू लेजाते हुए टिपर खड़ी मिलती है सूत्रों के माने तो जिले में अवैध खनन का लगातार बोल बाला है कही थाने के अंतर्गत तो कही गुरमा वन क्षेत्र के अंतर्गत

गुरमा रेंज में अवैध बालू खनन व परिवहन का हब बना हुआ हैं।, जहाँ बेख़ौफ़ होने के बावजूद जिम्मेदार बेखबर बनकर अवैध खनन को संरक्षण दे रहे हैं। बतादें कि उक्त रेंज अंतर्गत रेडिया, गुरदह स्थित खैरहवा सोन नदी वन क्षेत्र में घुसकर पूरी रात खनन किया जाता है ।खैरवा सोन नदी में बालू खनन को बनाया गया है रास्ता इसके बाद भी दर्जनो टीपर से बालू का अवैध परिवहन किया जा रहा चर्चा बना रहता है। रात में अंधेरा होते ही मौके पर नियमित पट्टे की तरह खनन चलाया जा रहा है जबकि उक्त क्षेत्र सेंचुरी एरिया में आता है जो इसकी शिकायत होने के बावजूद विभागीय जिम्मेदार न केवल अवैध खनन बंद कराने बल्कि इसमें खननकर्ताओं को पकड़ कर उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने से कतरा रहे हैं। जिसका नतीजा यह है कि इस अनियमित कार्य को बढ़ावा मिल रहा है। मोटी रकम लेने के बाद बालू के दामो में बढोत्तरी होती जा रही है। वन विभाग को वन्यजीवों को विलुप्त होने से बचाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है, बावजूद प्रतिबंधित सेंचुरी एरिया में अवैध खनन परिवहन हो रहा। इधर जिले में दिन प्रतिदिन बालू का दाम उछाल पर होने से अवैध बालू परिवहन करने की होड़ मची हुई है। और इसी से गुरमा रेंज अंतर्गत सोन नदी को सुरक्षित अड्डा बना कर खनन माफिया अवैध बालू परिवहन अभियान में जुटे हुए है। सूत्रों की माने तो जिससे उनकी एक रात में लाखों की बेहिसाब कमाई बताई जाती है। और जिम्मेदार बेखबर बनकर उनके कदम से कदम मिलाकर अपने निहित स्वार्थ पुर्ति कर रहे हैं।जिलाधिकारी का ध्यान आकर्षित करते हुए अवैध खनन कर्ताओं और गुरमा वन क्षेत्र के अधिकारी कर्मचारी पर की जाय कार्यवाई। वही इसकी जानकारी वन रेंजर अधिकारी सीपी तिवारी से सेल फोन पर वार्ता हुई तो उन्होंने फोन पर धमकी देते हुए कहा कि किसी के कहने पर खबर मत लगाइए सच्चाई जान लीजिये बोले कि कोई अवैध खनन नही हो रहा है।कई लोगो पर कार्यवाई हुई है। जब हमने रिपोर्ट मागा की कितने पर हुई है नाम पता सहित उपलब्ध कराया जाय टाल मटोल करते हुए फोन काट दिए जिससे लगता है कि इनकी दबंगई नही भाती लोगो को।

हत्या का प्रयत्न करने वाले दो व्यक्तियों को किया गया गिरफतार

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र डॉ0 यशवीर सिंह के निर्देशन में जनपद सोनभद्र में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी रोकथाम लगाने तथा घटनाओं के शीघ्र

अनावरण व उसमें संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना बभनी पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-178/2022 धारा 323, 504, 506, 307 भादवि से सम्बन्धित 02 नफर अभियुक्तगण क्रमशः 1. प्रेमचंद रौनियार पुत्र स्वर्गीय मंगरु रौनियार 2. सोनू रौनियार पुत्र प्रेमचंद रौनियार समस्त निवासीगण सागोबाध, थाना बभनी जनपद सोनभद्र को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया । **गिरफ्तार अभियुक्तगण-** 1. प्रेमचंद रौनियार पुत्र स्वर्गीय मंगरु रौनियार निवासी सागोबाध, थाना बभनी, जनपद सोनभद्र। 2. सोनू रौनियार पुत्र प्रेमचंद रौनियार निवासी सागोबाध, थाना बभनी, जनपद सोनभद्र **गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीमः -** 1. उ0नि0 राम सिंहासन शर्मा, थाना बभनी, जनपद सोनभद्र । 2. मुख्य आरक्षी भैया लाल यादव, थाना बभनी, जनपद सोनभद्र 3. मुख्य आरक्षी भरत यादव , थाना बभनी, जनपद सोनभद्र । 4. आरक्षी शिवम सिंह, थाना बभनी, जनपद सोनभद्र ।

भारतीय मीडिया फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष से ओबरा थाना इंचार्ज ने की बदसलूकी

(आधुनिक समाचार सेवा)
डाला सोनभद्र। तहसील ओबरा अंतर्गत 5 नवंबर को हो रहे तहसील दिवस में भारतीय मीडिया

फाउंडेशन के जिलाध्यक्ष अशोक कनौजिया के नेतृत्व में 14 सूत्रीय मांगों को लेकर विज्ञप्ति देने के लिए डाला, ओबरा, चोपन ने लगभग 2 दर्जन पत्रकारों ने प्रदेश मेंलगातार सामाजिक कार्यकर्ता एवं पत्रकार बंधुओं का नाना प्रकार सेउत्पीड़न किया जा रहा है सामाजिक कार्यकर्ता एवं पत्रकार बंधुओं के द्वारा समाचार संकलन में विभिन्न प्रकार की बाधाएं उत्पन्न की जा रही हैं भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़नेवाले सामाजिक कार्यकर्ता एवं पत्रकार बंधुओं के ऊपर फर्जी मुकदमे किए जा रहे हैं जो सशक्तलोकतंत्र के निर्माण के लिए चिंता का विषय है।इतना ही नहीं राज्य लेवल पर पत्रकार एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के स्वालंबानाहेहेतुकिसी प्रकार की योजनाओं का संचालन भी नहीं किया जा रहा है।भारतीय मीडिया फाउंडेशन पत्रकार एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं का राष्ट्रीय संगठन है जो लगातार पत्रकार एवं सामाजिक कार्यकर्ताबंधुओं के अधिकारलिए कार्यकर रहा है एवं समस्त नागरिकों को जागरूक कर रहासम्मान सुरक्षा के है। जिससेलोगों के अंदर देशभक्ति की जज्बा पैदा हो इसी को ध्यान में रखते हुए भारतीय मीडिया फाउंडेशन की ओर से निम्नलिखित मांग की जाती हैं ऐसे में विज्ञप्ति देते समय ओबरा के थाना इंचार्ज मिथिलेश मिश्रा द्वारा पत्रकारों से बदसलूकी की गई व धक्का देकर बाहर करने का प्रयास किया गया। जिस सम्बन्ध में भारतीय मीडिया फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ख्वाजा खान , जिलाध्यक्ष सोनभद्र अशोक कनौजिया , तथा अन्य पत्रकारों द्वारा द्वारा पुनः ओबरा तहसील में तहसील दिवस पर उपस्थित जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक को शिकायत की गई कि आपके थाना इंचार्ज द्वारा पत्रकारों से बदसलूकी की गई जो उचित नही है। संज्ञान में लें शिकायत सुन ओबरा थाना इंचार्ज मिथिलेश मिश्रा भारतीय मीडिया फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष , अन्य उपस्थित पत्रकारों पर भड़क गये व दबाव बनाने के लिए पत्रकारों के लिए अपने स्टॉप से बोलने लगे कि इनका वीडियो बनाओ ये सभी पत्रकार सरकारी कार्य मे बाधा उत्पन्न कर रहे है। ऐसा थाना इंचार्ज पत्रकारों के प्रति पहली बार नही बल्कि आदत सी हो गयी हैं। जिसके ऊपर कार्यवाही करना न्याय संगत होगा। ऐसे थाना इंचार्ज के लिए प्रदेश स्तर तक शिकायत की जाएगी। यहां तक कि पत्रकारों को अभद्र वाणी से सम्बोधित करते हैं ।

10 किलो 3.50ग्राम अवैध गांजे के साथ एक अभियुक्त कि हुई गिरफ्तारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र डॉ0 यशवीर सिंह के निर्देशन में जनपद में मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना रायपुर पुलिस द्वारा 01 नफर अभियुक्त कमलेश यादव पुत्र लालचन्द्र यादव, निवासी ग्राम मड़पा, थाना अधौरा, जनपद कैमूर भभुआ बिहार उम्र लगभग 24 वर्ष के कब्जे से 10 किलो 3.50 ग्राम अवैध गांजा बरामद कर गिरफ्तार किया गया । उपरोक्त बरामदगी/गिरफ्तारी के सम्बंध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0- 102/2022 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की गयी । **गिरफ्तारी का विवरण -** कमलेश यादव पुत्र लालचन्द्र यादव, निवासी ग्राम मड़पा, थाना अधौरा, जनपद कैमूर भभुआ बिहार उम्र लगभग 24 वर्ष । **बरामदगी का विवरण-** अभियुक्त के कब्जे से 10 किलो 3.50 ग्राम अवैध गांजा बरामद । **पुलिस टीम का विवरण-** 1. थानाध्यक्ष नागेश कुमार सिंह, थाना रायपुर, जनपद सोनभद्र । 2. उ0नि0 मनीष द्वीवेदी, थाना रायपुर, जनपद सोनभद्र । 3. मुख्य आरक्षी अरुण कुमार, थाना रायपुर, जनपद सोनभद्र । 4. आरक्षी हृदय नारायण यादव, थाना रायपुर, जनपद सोनभद्र । 5. आरक्षी सन्नी मौर्या, थाना रायपुर, जनपद सोनभद्र । 6. आरक्षी विपिन यादव, थाना रायपुर, जनपद सोनभद्र । 7. आरक्षी जितेन्द्र सिंह यादव, थाना रायपुर, जनपद सोनभद्र ।

गैंगस्टर एक्ट में वांछित अभियुक्त कि हुई गिरफ्तारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में आज थाना विण्ढमगंज पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-62/2022 धारा 3(1) गैंगेस्टर एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त महबूब अंसारी पुत्र रहीम

शेख निवासी अधौरी, थाना मेराल, जनपद गढवा (झारखण्ड) को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गय **गिरफ्तार अभियुक्त-** 1. महबूब अंसारी पुत्र रहीम शेख निवासी अधौरी, थाना मेराल, जनपद गढवा (झारखण्ड) । **गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम-** 1. उ0नि0 मो0 अरशद, थाना विण्ढमगंज, जनपद सोनभद्र । 2. आरक्षी अजय यादव, थाना विण्ढमगंज, जनपद सोनभद्र । 3. आरक्षी सूर्या सिंह, थाना विण्ढमगंज, जनपद सोनभद्र ।

सोनभद्र बार एसोसिएशन चुनाव कार्यक्रम की हुई घोषणा

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। राबर्ट्सगंज कचहरी परिसर स्थित एसबीए सभागार में शुक्रवार को सोनभद्र बार एसोसिएशन के आगामी सत्र 2022-2023 के निर्वाचन हेतु एल्डर्स कमेटी की बैठक हुई। जिसमें विचार-विमर्श कर चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की

गई। जिसके मुताबिक 22 दिसंबर को मतदान एवं 23 दिसम्बर को मतगणना कराई जाएगी। चुनाव को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता सुरेश सिंह को मुख्य निर्वाचन अधिकारी का दायित्व दिया गया है। वहीं मतदाता सूची हरहाल में 30 नवम्बर तक एल्डर्स कमेटी के अध्यक्ष को उपलब्ध कराने को वर्तमान अध्यक्ष महेंद्र प्रसाद शुक्ला एवं महामंत्री चन्दपाल शुक्ला को कहा गया है। चुनाव कार्यक्रम की घोषणा होते ही अध्यक्ष व महामंत्री पद के प्रत्याशियों द्वारा शनिवार को जनसंपर्क शुरू हो गया। सोनभद्र बार एसोसिएशन के अध्यक्ष महेंद्र प्रसाद शुक्ला एडवोकेट ने बताया कि एसबीए के वर्ष 2022-2023 के कार्यकारिणी के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा सर्वसम्मति से 22 दिसंबर को मतदान एवं 23 दिसंबर को मतगणना के लिए निश्चित की गई है। इसलिए यथाशीघ्र अधिवक्ता भाई अपनी सदस्यता ले लें ताकि 30 नबम्बर तक मतदाता सूची तैयार कर एल्डर्स कमेटी चेयरमैन को मुहैया कराई जा सके। उन्होंने कहा कि जिनलोगों का नाम मतदाता सूची में रहेगा वहीं मतदान कर सकेंगे। क्योंकि मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद किसी का नाम उसमें नहीं शामिल किया जा सकेगा। उन्होंने यह भी बताया कि पूर्व की भांति ही पर्चा का शुल्क लिया जाएगा। चुनाव को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता सुरेश सिंह को मुख्य चुनाव अधिकारी का दायित्व दिया गया है। अब वे अपनी जरूरत के हिसाब से सहायक चुनाव अधिकारी नियुक्त करेंगे। बैठक में एल्डर्स कमेटी चेयरमैन कृपा नारायण मिश्र, सदस्य भोला सिंह, गजेंद्र नाथ दीक्षित, अरुण प्रताप सिंह, उमेश कांत श्रीवास्तव व वर्तमान कार्यकारिणी के अध्यक्ष महेंद्र प्रसाद शुक्ल व महामंत्री चंद्रपाल शुक्ल उपस्थित रहे। उधर शुक्रवार को अध्यक्ष पद के लिए उमेश मिश्रा एडवोकेट, विजय कृष्ण वर्मा एडवोकेट, हेमनाथ द्विवेदी एडवोकेट व नरेंद्र कुमार पाठक एडवोकेट द्वारा समर्थकों के साथ अधिवक्ताओं से जनसम्पर्क किया गया। वहीं महामंत्री पद के लिए राजीव कुमार सिंह गौतम एडवोकेट, अरुण कुमार सिंघल एडवोकेट व आनंद कुमार मिश्र एडवोकेट ने भी समर्थकों के साथ जनसंपर्क किया। इसकी वजह से कचहरी परिसर में चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है। अभी भी अध्यक्ष व महामंत्री पद पर कई प्रत्याशियों के नामों की चर्चा हो रही है।

डिफॉल्टर एसई एके द्विवेदी ने कमाल कर दिया धोती फाड़के रुमाल कर दिया

(आधुनिक समाचार सेवा)
डाला सोनभद्र। भृष्टाचार की नींव तो उसी दिन से रख जाती है, जब मां बच्चे से कहती है कि बेटा अगर ये होमवर्क ख़त्म कर लोगे तो तुझे बड़ी वाली चॉकलेट मिलेगी। अंजाने में रोपा गया लालच का बीज ही आगे चलकर विशाल वट वृक्ष का रूप धारण कर लेता है। जनजन में ये पुकार है, हर बात में भृष्टाचार है। अब तो ऐसा लगता है जैसे ये चावल संग अचार है। तक़रीबन 200 करोड़ से अधिक का डीएमएफ मद से कराये जाने वाले कार्यों में अभी भी खेल खेला जा रहा है। यह सबकुछ दागी अधीक्षण अभियंता अनिल कुमार द्विवेदी के करकमलों से किया जा रहा है। ठीक वैसा ही खेल एसई एके द्विवेदी सोनभद्र में खेल रहे हैं। जैसा खेल उन्होंने कौशाम्बी जनपद में खेला था। लगता है योगी सरकार के पारदर्शी टेंडर प्रक्रिया में सेंधमारी की वह कसम खा चुके हैं। पहले 22 तारीख को दुपहर 12 बजे तक टेंडर खुलने थे। जब टेंडर मैनेज के खेल पर से मीडिया ने पर्दा उठाया तो टेंडर की तिथि को बढ़ाकर 5 नवम्बर कर दिया गया। बाकायदा इसके लिए एसई एके द्विवेदी ने एक शुद्धि पत्र जारी किया। दिलचस्प बात यह है कि दुबारा भी टेंडर स्वीकृति की प्रत्याशा में ही निकाला गया है। जबकि जिला खनिज न्यास का मद जिले में ही है उसके लिए 24 घण्टे ही काफी है। इसके बाद भी आखिर यह कैसा स्वीकृति के प्रत्याशा का खुला खेल खेला जा रहा है। इस पर नाम न छापने की शर्त पर पीडब्ल्यूडी के पंजीकृत ठेकेदारों का कहना है कि यह स्वीकृति की प्रत्याशा का खेल सिर्फ

कमीशनखोरी के लिए खेला जा रहा है। प्रयागराज अधीक्षण अभियंता वृत्त के पद पर रहते हुए एके द्विवेदी के ऊपर करोड़ों रुपए के घोटाले का गंभीर आरोप लगा था। 19 जनवरी को कौशांबी में 41 मार्गों के कार्यों का टेंडर कराया गया था। उसमें अपने चहेते ठेकेदारों को टेंडर देने के लिए एके द्विवेदी ने जमकर मनमानी किया था। अभियंताओ द्वारा टेंडर खुलने से निर्धारित तिथि से पहले अपने चहेते ठेकेदारों के टेंडर रेट में बदलाव किया गया था। अधीक्षण अभियंता अनिल कुमार द्विवेदी ने अपने डिजिटल सिंगनेचर वाले डोंगल से अपने चहेते ठेकेदारों के टेंडर रेट में बदलाव कर दिया था। इससे कई टेंडर के रेट 20 से 21 प्रतिशत कम हो गये थे। इसपर शासन ने एके द्विवेदी को टेंडर प्रक्रिया से हटा दिया था। वहीं इनके प्रमोशन पर भी रोक लगा दी गई थी। अधीक्षण अभियंता प्रतापगढ़ वृत्त को टेंडर कमेटी कौशाम्बी एवं प्रयागराज का प्रभारी बना दिया गया था। साथ ही अधीक्षण अभियंता प्रतापगढ़ वृत्त एन के यादव को सोनभद्र और मिर्जापुर का भी प्रभारी बना दिया गया था। उसके बाद अधीक्षण अभियंता वाराणसी वृत्त को टेंडर प्रक्रिया का प्रभारी बनाया गया। इसके बाद भी आखिर अधीक्षण अभियंता अनिल कुमार द्विवेदी अपने हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। अपने चहेते ठेकेदारों को टेंडर देने के लिए खेल पर खेल कर रहे हैं। ठेकेदारों का कहना है कि एसई अनिल द्विवेदी यह सब कुछ कमीशन खोरी के लिए कर रहे हैं। आखिर किसके आदेश पर एसई टेंडर प्रक्रिया में अपनी तुग़लकी फरमानों को लागू कर रहे हैं। टेंडर प्रक्रिया में एसई किसके अधिकार से दखलंदाजी कर रहे हैं। इस पर पीडब्ल्यूडी विभाग मौन धारण किये हुए है। पीडब्ल्यूडी विभाग मिर्जापुर मंडल में टेंडर को लेकर ठेकेदारों, अधकारियों और माफियाओं का मजबूत काकश काम कर रहा है। जिसके चलते निष्पक्ष एवं पारदर्शी टेंडर प्रक्रिया सम्पन्न कराना बेमानी है। योगी आदित्यनाथ सरकार ने टेंडर प्रक्रिया में गड़बड़ी को रोकने के लिए प्रहरी एप्प से टेंडर डालने की पहल की। ताकि टेंडर प्रक्रिया पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ सम्पन्न हो सके। साथ ही गड़बड़ी एवं कमीशनखोरी पर अंकुश लग सके। परन्तु एसई अनिल कुमार द्विवेदी योगी सरकार की ज़ीरो टॉलरेंस की पॉलिसी की जड़ में मट्ठा डालने का काम कर रहे हैं। एसई ने जो खेल प्रयागराज और कौशाम्बी में खेला अब वही खेल वह सोनभद्र में खुलेआम खेल रहे हैं। आखिर दागी एसई को किसका संरक्षण हासिल है। पीडब्ल्यूडी में होने वाला घोटाला और कमीशनखोरी एसई अनिल कुमार द्विवेदी का पीछा छोड़ने का नाम नहीं ले रही है। ऐसा आभास होता है कि जैसे अनियमित्ता और एसई महोदय का साथ चोली दामन का हो गया है। फ़िलहाल एसी महोदय नियमों को ताक पर रखकर टेंडर प्रक्रिया को सम्पन्न कराने पर अमादा है। इतना सब कुछ बेनक़ाब होने पर भी अभी तक किसी प्रकार की कोई जांच नहीं कि गई। समय की शिला पर खड़ी जनता मूकदर्शक बनी सबकुछ देख रही है। लगातार योगी आदित्यनाथ सरकार द्वारा टेंडर को लेकर पारदर्शी नीति अपनाया जा रहा। इसके बाद भी पीडब्ल्यूडी के अभियंताओ द्वारा कमीशनखोरी और टेंडर प्रक्रिया को अपने हिसाब से संचालित करने का तोड़ आखिर निकाल ही लिया जाता है। आखिर योगी आदित्यनाथ सरकार की ऐसी क्या मजबूरी है कि दागी एसई को टेंडर प्रक्रिया का बागडोर सौंप दिया जा रहा है।

पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच एडिले ओवल मैदान पर खेला गाया मैच

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2022 का 41वां मैच पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच एडिलेड ओवल मैदान पर खेला गाया। इस मुकाबले में बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए खबर लिखे जाने तक बांग्लादेश की टीम ने 11 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 73 रन बना लिए हैं। पहली पारी में बांग्लादेश का पहला विकेट ओपनर लिटन दास के रूप गिरा जिन्हें शाहीन अफरीदी ने 10 रन के स्कोर पर शान मसूद के हाथों कैच आउट करवा दिया। वहीं सौम्या सरकार को शादाब खान ने 20 रन के स्कोर पर आउट किया और उनका भी कैच शान मसूद ने पकड़ा। कप्तान शाकिब अह हसन अपना खाता भी नहीं खोल पाए और डक पर शाबाद खान की गेंद पर पगबादा आउट हुए। ग्रुप 2 में पहले नंबर पर 6 अंक के साथ भारत है जो साउथ अफ्रीका की हार के बाद टाप-4 में पहुंच गई है। वहीं पाकिस्तान और बांग्लादेश के अभी 4-4 अंक हैं और जिस टीम को जीत मिलेगी वो 6 अंक के साथ टाप-4 में पहुंच जाएगी। साउथ अफ्रीका की टीम के पांच अंक हैं, लेकिन वो इस वर्ल्ड कप से बाहर हो गई और एक बार फिर से चोकर साबित हुई। मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), बाबर आजम (कप्तान), मोहम्मद हारिस, शान मसूद, इफ्तिखार अहमद, मोहम्मद नवाज, शादाब खान, मोहम्मद वसीम जूनियर, नसीम शाह, हारिस रऊफ, शाहीन अफरीदी। नजमुल हुसैन शान्तो, सौम्या सरकार, लिटन दास, शाकिब अल हसन (कप्तान), अफिफ हुसैन, नूरुल हसन (विकेटकीपर), मोसादेक हुसैन, तास्कीन अहमद, नसुम अहमद, एबादोत हुसैन, मुस्ताफिजुर रहमान।

करीबी मुकाबलों और उलटफेरों के लिहाज से सफल रहा है मौजूदा टी 20 वर्ल्ड कप- सुनील गावस्कर

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। कोई भी टूर्नामेंट जिसमें नाकआउट के लिए क्वालीफाई करने वाली टीमों के नाम और प्वाइंट टेबल में उनकी स्थिति आखिरी लीग मैच के बाद पता चले तो उसे एक सफल टूर्नामेंट माना जा सकता है।

आइसीसी पुरुष टी-20 वर्ल्ड कप न केवल इस मामले में निश्चित रूप से सफल रहा, बल्कि साथ ही कई करीबी मैचों और बड़े उलटफेरों ने भी इस टूर्नामेंट को और सफल बनाया। जितने भी करीबी मैच होते हैं उनमें हारने वाली टीम को यही सबक मिलता है कि वो और किसी वजह से नहीं बल्कि अपनी फील्डग की वजह से हारे हैं। चाहे वो कोई कैच छूटना हो या फिर सुस्त फील्डिंग या खराब थ्रो जिसकी वजह से विपक्षी टीम को वैसे अतिरिक्त रन मिल जाते हैं जो जीत और हार का अंतर साबित होते हैं। फील्डिंग क्रिकेट का सबसे अहम पहलू है और खेल के सबसे छोटे प्रारूप में ये और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है जहां हर रन मायने रखता है। हमने देखा कि कैसे बांग्लादेश के विरुद्ध केएल राहुल की जबरदस्त फील्डिंग ने खतरनाक दिख रहे लिटन दास को रनआउट करके पवेलियन भेज दिया जिससे मैच भारत के पक्ष में झुक गया। अगर उलटफेरों की बात करें तो टूर्नामेंट का सबसे चौंकाने वाला परिणाम तब आया जब जिंबाब्वे ने मैच की आखिरी गेंद पर पाकिस्तान को हरा दिया। जिंबाब्वे की टीम बांग्लादेश के विरुद्ध भी ऐसा ही करने के करीब पहुंच गई थी, लेकिन आखिरी मौके पर बाउंड्री लगाने में नाकाम रही। अगर वो बाउंड्री लग गई होती तो न केवल जिंबाब्वे की टीम मैच जीत जाती, बल्कि सेमीफाइनल में पहुंचने की गंभीर दावेदार भी होती।

श्रीलंका के इस क्रिकेटर पर लगा दुष्कर्म का आरोप, सिडनी में किया गया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। श्रीलंका क्रिकेट टीम के खिलाड़ी दानुष्का गुणाथिलाका को शनिवार को सिडनी में गिरफ्तार कर लिया गया और उस पर दुष्कर्म का आरोप लगाया गया है। श्रीलंका ने गुणाथिलाका को श्रीलंका वापस नहीं भेजा था और वो टीम के साथ बने हुए थे। 31 साल के दानिष्का गुणाथिलाका टीम में आलराउंडर की भूमिका निभाते हैं और वो बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं साथ ही राइट आर्म आफ ब्रेक गेंदबाजी करते हैं। इन्होंने आस्ट्रेलिया दौरे पर अपनी टीम के लिए वार्मअप मैच में हिस्सा लिया था साथ ही पहले दौरे का भी एक मैच खेला था। हालांकि श्रीलंका सुपर 12 में पहुंच गई थी, लेकिन चोटिल होने की वजह से वो टीम से बाहर हो गए और एक भी मैच नहीं खेल पाए थे। चोटिल होने के बाद भी वो टीम के साथ ही आस्ट्रेलिया में बने रहे थे। श्रीलंका की टीम ने दासुन शनाका की कप्तानी में अपना आखिरी ग्रुप मैच इंग्लैंड के खिलाफ खेला था और इसमें मिली हार के बाद ये टीम टी20 वर्ल्ड कप 2022 से बाहर हो गई

की पूरी टीम रविवार की सुबह इस खिलाड़ी के बिना ही स्वदेश वापस लौट गई। गुणाथिलाका तीन हफ्ते पहले ही चोटिल हो गए थे और उन्हें टी20 वर्ल्ड कप 2022 की टीम से बाहर कर दिया गया था। उनकी जगह बाद में टीम में आशेन बंडारा को शामिल किया गया था। चोटिल होने के बाद साथ ही टीम से बाहर किए जाने के बाद भी टीम प्रबंधन थी और सेमीफाइनल में जगह नहीं बना पाई थी। श्रीलंका की टीम ने सुपर 12 के पांच मैचों में से दो में जीत दर्ज की थी जबकि 3 मैचों में उसे हार मिली थी। दो मैचों में जीत के साथ ये टीम सिर्फ 4 अंक अर्जित कर पाई थी और अंक तालिका में चौथे स्थान पर रहते हुए इस टीम ने टी20 वर्ल्ड कप 2022 का समापन किया।

भारत के पाकिस्तान जाने को लेकर बीसीसीआई अध्यक्ष ने दिया बड़ा बयान

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। एशिया कप 2023 को लेकर मचे बवाल पर बीसीसीआइ के अध्यक्ष ने एक और बयान दिया है। बीसीसीआइ अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने कहा कि भारतीय टीम का पाकिस्तान जाने का फैसला के हाथ में नहीं है, इस पर सरकार फैसला लेती है। दरअसल, एशिया का कप का अगला टूर्नामेंट पाकिस्तान में खेला जाना है। इसके अलावा आइसीसी चैंपियंस ट्राफी 2025 की भी मेजबानी पाकिस्तान करने वाला है। एशिया कप में भारत के हिस्सा लेने को लेकर पिछले कई दिनों से बवाल मचा हुआ है। बीसीसीआइ सचिव ने ट्वीट कर कहा था कि भारतीय टीम एशिया कप खेलने पाकिस्तान नहीं जाएगी।समाचार एजेंसी एएनआइ के मुताबिक, चेन्नई में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान बीसीसीआइ अध्यक्ष ने कहा, यह बीसीसीआइ के हाथ में नहीं है। यह सरकार की तरफ से मंजूरी दी जाती है। रोजर बिन्नी ने पिछले महीने भी कहा था कि

बोर्ड भारतीय टीम के पाकिस्तान या अन्य देशों की यात्रा पर खुद फैसला नहीं लेता है, सरकार के फैसले पर निर्भर करता है। रोजर बिन्नी ने कहा, हम यह नहीं कह सकते कि हमारी टीम को कहां जाना है। अगर हम देश छोड़ते हैं, या अन्य देश यहां आते हैं तो हमें सरकार से मंजूरी लेनी होगी। हम यह निर्णय अपने आप नहीं ले सकते, हमें भरोसा करना होगा सरकार पर। भारत के पाकिस्तान न जाने के फैसले पर पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर से लेकर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ऐतराज जता चुका है। साथ ही 2023 में भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप में न शामिल होने की धमकी भी दे चुका है। अब यह कब सुलझेगा यह बीसीसीआइ और सरकार जाने। फिलहाल एशिया कप में भारत-पाकिस्तान मैच की उम्मीद न के बराबर मनी जा रही है।

35 रन बनाते ही इतिहास रच देंगे सूर्यकुमार यादव

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। टीम इंडिया भले ही नीदरलैंड के द्वारा किए गए उलटफेर के कारण सेमीफाइनल में पहुंच गई हो लेकिन अपने ग्रुप में नंबर वन बनने के लिए उसे जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच जीतना होगा। यह मैच मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर दोपहर 1.30 बजे खेला जाएगा। इस मैच में ऊ20घ् के नंबर वन बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव के पास एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम करने का मौका कैलेंडर ईयर में 1,000 रन बनाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन जाएंगे टी20 वर्ल्ड कप की बात करें तो भारत की तरफ से विराट कोहली के बाद सूर्यकुमार यादव दूसरे सबसे सफल बल्लेबाज हैं। उन्होंने अब तक 4 मैचों में 54.67 की औसत और 180.22 की स्ट्राइक रेट से 164 रन बनाए हैं। 164 रन में उन्होंने दो बार अर्धशतकीय पारी खेली है। उन्होंने नीदरलैंड के खिलाफ 25 गेंद पर 51 और साउथ

है। शानदार फॉर्म में चल रहे सूर्यकुमार यादव फिलहाल इस बड़े मुकाम से 35 रन दूर हैं। टि20 वर्ल्ड कप के नंबर वन बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव फिलहाल 2022 में 965 रन बनाकर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने यह रन 41.95 की औसत और 183.80 की स्ट्राइक रेट से बनाए हैं। 2022 में 1,000 टि20 वर्ल्ड कप रन बनाने के लिए उसे 35 रन बनाने हैं और जिम्बाब्वे के खिलाफ यदि वह ऐसा कर पाते हैं तो एक अफ्रीका के खिलाफ 40 गेंद पर 68 रन की पारी खेली थी। जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच में भी उनसे इसी तरह की पार की उम्मीद होगा हालांकि आइसीसी की टि20 वर्ल्ड कप रैंकिंग में दूसरे नंबर के बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान यह कारनामा कर चुके हैं। उन्होंने 2021 में 1,326 रन बनाए थे। रन बनाने के मामले में 2022 में भी वह सूर्यकुमार यादव के पीछे चल रहे हैं और अब तक 892 रन बना चुके हैं।

राशिफल

मेष-:आपका रूखा व्यवहार आपके जीवनसाथी का मूड खराब कर सकता है. आपको समझना चाहिए कि अनादर और किसी को गंभीरता से न लेना रिश्ते में दरार डाल सकता है।

वृष-:आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। पैसों से जुड़े काम पूरे हो सकते हैं। आप अपने सामाजिक दायरे को बढ़ाने में सफल रहेंगे। किसी मित्र से कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

मिथुन-:आज आप जितनी मेहनत करेंगे उतना ही आपको फायदा होगा. आज कोई नया गठबंधन, अनुबंध और समझौता हो सकता है। आप काम को बहुत गंभीरता और गंभीरता से पूरा करेंगे।

कर्क-:चोट से बचने के लिए सावधानी से बैठें। वहीं, सही तरीके से कमर सीधी करके बैठने से न सिर्फ पर्सनालिटी में निखार आता है, बल्कि सेहत और आत्मविश्वास का स्तर भी बढ़ता है।

सिंह-:आज आपका ध्यान रचनात्मक कार्यों की ओर रहेगा, ऑफिस के महत्वपूर्ण कार्यों में आप व्यस्त रहेंगे. आज आपकी बातों का असर दूसरे लोगों पर भी पड़ेगा।

कन्या-:परिवार से आपको भरपूर सहयोग और स्नेह मिलेगा, काम में आ रही बाधाएं दूर होंगी. कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। व्यापार में लाभ के योग हैं।

तुला-: मानसिक स्पष्टता के लिए भ्रम और निराशा से बचने की कोशिश करें. आपकी अवास्तविक योजनाएं आपके पैसे को खत्म कर सकती हैं।

वृश्चिक-:आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। परेशान लोगों को मनाने का आज एक अच्छा मौका है। दोस्तों आज कहीं पिकनिक पर जाने का प्लान बना सकते हैं।

धनु-:पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए आज का समय बहुत अच्छा है अगर आप मन लगाकर पढ़ाई करेंगे तो सफलता अवश्य मिलेगी. आप में से कुछ लोग आज रिश्तेदारों या दोस्तों के साथ अच्छा दिन बिताएंगे।

मकर-:ऐसे लोगों की तरह व्यवहार न करें जो अपने सपनों के लिए अपने घर और स्वास्थ्य का त्याग करते हैं और केवल अपनी महत्वाकांक्षाओं के पीछे भागते हैं।

कुंभ-: आज आपकी दिनचर्या में जरूरी बदलाव हो सकते हैं. कोई करीबी आपसे मिलने घर आ सकता है, मन प्रसन्न रहेगा। व्यापार करने वालों के लिए आज का दिन अच्छा है।

मीन-:आज के दिन रिश्तों में मधुरता बढ़ाने के लिए आप अचानक घूमने-फिरने का प्लान बना सकते हैं. जो आपके लिए काफी रोमांटिक रहेगा। आज आप आर्थिक योजना बना पाएंगे।

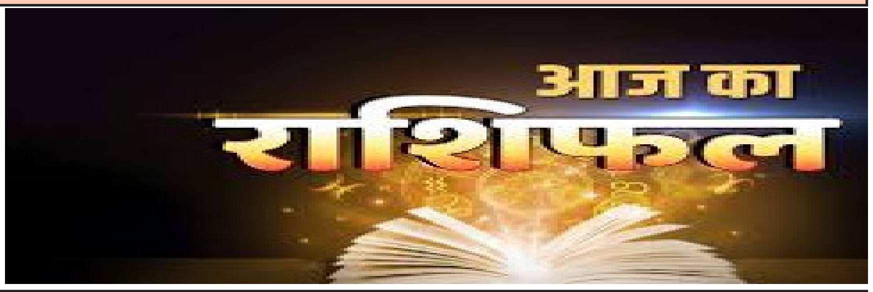

साउथ अफ्रीका टी20 वर्ल्ड कप से बाहर भारतीय टीम सेमीफाइनल में पहुंची

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2022 का 40वां मैच साउथ अफ्रीका और नीदरलैंड के बीच एडिलेड ओवल मैदान पर खेला गया। इस मैच में साउथ अफ्रीका ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। इसके बाद नीदरलैंड की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट पर 158 रन बनाए और प्रोटियाज को जीत के लिए 159 रन का लक्ष्य मिला। 159 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीका की टीम इस लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाई और 20 ओवर में 8 विकेट पर 145 रन ही बना पाई और उसे 13 रन से हार मिली। इस हार के साथ अब प्रोटियाज एक बार फिर से चोकर साबित हुई टी20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गई। साउथ अफ्रीका की हार के बाद सेमीफाइनल में बांग्लादेश और पाकिस्तान के पहुंचने का चांस बढ़ गया है। अब पाकिस्तान की टीम अगर बांग्लादेश को हरा देती है तो उसके 6 अंक हो जाएंगे और वो सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी, लेकिन बांग्लादेश की टीम ने पाकिस्तान को हरा दिया तो उसके भी 6 अंक हो जाएंगे और वो टाप 4 में पहुंच जाएगी। साउथ अफ्रीका की हार के बाद भारत ने सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया और वो सुपर 4 में जगह बनाने वाली न्यूजीलैंड व इंग्लैंड के बाद तीसरी टीम बन गई। वहीं भारतीय टीम अपने ग्रुप से

सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बनी। टीम इंडिया ने टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में चौथी बार सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया। ग्रुप 2 में भारत के अभी 6 अंक हैं और वो पहले नंबर पर है जबकि साउथ अफ्रीका इस हार के बाद भी 5 अंक के साथ दूसरे नंबर पर है। पाकिस्तान और बांग्लादेश के 4-4 अंक हैं और दोनों में से जो भी टीम जीतेगी वो सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। साउथ अफ्रीका की पारी, बल्लेबाजों का निराश करने वाला प्रदर्शन साउथ अफ्रीका का पहला विकेट डिकाक के रूप में गिरा जिन्होंने 13 रन बनाए तो वहीं कप्तान तेंबा बावुमा ने 20 रन की पारी खेली। रिली रोसो 25 रन बनाकर पवेलियन लौट गए जबकि एडेम मार्करम व डेविड मिलर ने 17-17 रन की पारी खेलकर पवेलियन की राह पकड़ की। वेन पार्नेल अपना खाता भी नहीं खोल पाए और आउट हो गए। हेनरिक क्लासेन ने भी 21 रन की पारी खेली और आउट हो गए। इसके बाद केशव महाराज 13 रन बनाकर आउट हो गई जबकि रबाडा 9 रन तो वहीं एनरिच 4 रन बनाकर नाबाद रहे। नीदरलैंड के लिए पारी की शुरुआत मायबर्ग और मैक्स ने की और दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 58 रन की साझेदारी हुई और फिर मायबर्ग 37 रन पर मार्करम के हाथों आउट हो गए। मैक्स ने भी 29 रन की पारी खेली और उनका शिकार केशव महाराज ने किया। टाम कूपर ने तेज पारी खेलते हुए 19 गेंदों पर 35 रन बनाए और 2 छक्का व 2 चौका लगाया जबकि एकरमैन की बल्लेबाजी भी देखने लायक रही जिन्होंने 26 गेंदों पर 2 छक्के व 3 चौकों की मदद से नाबाद 41 रन बना डाले। बास डी लीड ने टीम के लिए सिर्फ एक रन का योदगान दिया तो वहीं कप्तान स्काट एडवर्ड्स 7 गेंदों पर 12 रन बनाकर नाबाद रहे। साउथ अफ्रीका की तरफ से केशव महाराज 2 विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाज रहे। तेंबा बावुमा (कप्तान), क्विंटन डिकाक (विकेटकीपर), रिली रोसो, एडेन मार्कराम, डेविड मिलर, हेनरिक क्लासेन, वेन पार्नेल, केशव महाराज, कगिसो रबाडा, एनरिच नार्त्जे, लुंगी नगिडी स्टीफन मायबर्ग, मैक्स ओडाड, टाम कूपर, कालिन एकरमैन, बास डी लीड, स्काट एडवर्ड्स (कप्तान व विकेटकीपर), रोएलोफ वैन डेर मेर्वे, लोगान वैन बीक, फ्रेड क्लासेन, पाल वैन मीकेरेन, ब्रैंडन ग्लोवर।

पाकिस्तान को हरा चुकी जिम्बाब्वे को हराने इस प्लेइंग इलेवन के साथ उतर सकते हैं रोहित शर्मा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम को अब टी20 वर्ल्ड कप 2022 के सेमीफाइनल में पहुंच गई है। साउथ अफ्रीका को जैसे ही नीदरलैंड ने हराया टीम इंडिया ने सुपर-4 के लिए क्वालीफाई कर लिया। अब टीम इंडिया को अपना आखिरी ग्रुप मैच जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलना है ऐसे में भारतीय टीम बिल्कुल बेफिक्र होकर खेलेगी और उसके पास अब खुद को और परखने का शानदार मौका है। इसमें कोई शक नहीं है कि टीम इंडिया बेहतरीन क्रिकेट खेल रही है, लेकिन जिम्बाब्वे भी मौका लगने पर अपने दांव दिखा सकती है और ऐसे में रोहित शर्मा इस टीम को हल्के में लेने की भूल तो कतई नहीं करेंगे। जिम्बाब्वे के खिलाफ मैदान पर उतरने से पहले ही रोहित शर्मा की टीम सेमीफाइनल में पहुंच गई है, लेकिन भारतीय टीम चाहेगी कि उनके जीत की लय बनी रहे और वो पूरी ताकत के साथ मैदान पर उतरेंगे। हालांकि टीम इंडिया की संभावित प्लेइंग इलेवन में किसी तरह का कोई बदलाव होने की संभावना नहीं दिख रही है, लेकिन अगर कोई एक बदलाव हुआ भी तो वो रिषभ पंत की वापसी हो सकती है क्योंकि दिनेश कार्तिक ने मैच दर मैच निराश ही किया है। भारतीय टीम के लिए पारी की शुरुआत केएल राहुल व रोहित शर्मा करेंगे जिसमें रोहित शर्मा से अच्छे रनों की उम्मीद रहेगी। राहुल ने पिछले मैच में अर्धशतकीय पारी खेली थी और फार्म में वापसी की थी। गजब की बल्लेबाजी कर रहे किंग कोहली तीसरे नंबर पर रहेंगे तो वहीं सूर्यकुमार यादव चौथे नंबर पर होंगे। पांचवें नंबर पर हार्दिक पांड्या का जलवा देखने को मिलेगा जबकि छठे नंबर पर दिनेश कार्तिक या रिषभ पंत में से कोई एक हो सकते हैं। अगर पंत प्लेइंग इलेवन में शामिल किए जाते हैं तो इस स्थिति में वो पांचवें नंबर पर आ सकते हैं और फिर हार्दिक छठे नंबर पर उतर सकते हैं। सातवें नंबर पर स्पिन आलराउंडर अक्षर पटेल होंगे जबकि आर अश्विन आठवें स्थान पर होंगे। अश्विन के साथ प्लस प्वाइंट ये है कि वो थोड़ी बहुत बल्लेबाजी भी कर लेते हैं और अब तक कप्तान व मैनेजमेंट ने उन पर भरोसा दिखाया है। तेज गेंदबाजों में भुवी तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ रहेंगे तो वहीं मो. शमी और अर्शदीप सिंह उनका साथ निभाते नजर आएंगे।

केएल राहुल, रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पांड्या, दिनेश कार्तिक/ रिषभ पंत, अक्षर पटेल, आर अश्विन, भुवनेश्वर कुमार, मो. शमी, अर्शदीप सिंह।

सम्पादकीय

महिला अस्मिता के लिए कुप्रथाओं पर रोक के पुरजोर प्रयास करने ही होंगे

महिलाओं की कमर में बेड़ी लगाने के उदाहरण अब भले न हों, लेकिन महिलाओं के प्रति उस पुरुषवर्चस्ववादी सोच में कोई फर्क नहीं आया है। जबकि स्त्री के शरीर में बेड़ी लगाने का समाज को कोई अधिकार नहीं है। लोकतांत्रिक चेतना और सामाजिक विकास के मामले में भारत हमेशा पाकिस्तान और बांग्लादेश की तुलना में आगे रहा है। लेकिन आश्चर्यजनक रूप से कुछ जरूरी कदम भारत से पहले ही इन दो देशों में उठा लिए गए। जैसे कि तीन तलाक की कुप्रथा। अफगानिस्तान, ट्यूनीशिया, अल्जीरिया, मलयेशिया, जॉर्डन, मिस्र, ईरान, इराक, इंडोनेशिया, लीबिया, सूडान, सऊदी अरब, मोरक्को और कुवैत जैसे देशों में भारत से पहले ही तीन तलाक की कुप्रथा पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। इसी तरह कौमार्य परीक्षण पर भी अनेक देशों में प्रतिबंध है। पाकिस्तान और बांग्लादेश में भी इस पर रोक है। भारत में सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में इस पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। देर से यह कदम उठाने के बावजूद सर्वोच्च न्यायालय धन्यवाद का हकदार है। उसने ठीक ही यह कहा है कि यौन उत्पीड़न के मामले में पीड़िता का 'टू फिंगर टेस्ट' कराने वाला भी कदाचार का दोषी माना जाएगा। अदालत ने माना है कि यह टेस्ट एक गलत धारणा पर आधारित है कि यौन रूप से सक्रिय महिला का बलात्कार नहीं हो सकता। सच्चाई इससे कुछ अलग भी हो सकती है, और किसी महिला का यौन इतिहास जानना महत्वहीन है। कौमार्य परीक्षण एक अर्थ में यौन हिंसा ही है। प्राचीन काल से ही पुरुषवर्चस्ववादी समाज में कौमार्य परीक्षण की परंपरा रही है। इसके तहत नवविवाहिता वधू के कौमार्य परीक्षण की व्यवस्था हमारे समाज में रही है। चूंकि डॉक्टर दो उंगलियों से इसका परीक्षण करते हैं, इसलिए इसका नाम 'टू फिंगर टेस्ट' है। किसी के साथ बलात्कार हुआ है या नहीं, इसकी जांच के लिए भी 'टू फिंगर टेस्ट' किया जाता है। इसमें डॉक्टर इसका पता लगाते हैं कि पीड़िता की योनि की झिल्ली अक्षत है या नहीं। अगर वह अक्षत है, तो बलात्कार नहीं हुआ, अगर अक्षत नहीं है, तो इसका मतलब यह है कि बलात्कार हुआ है। इस परीक्षण में डॉक्टर योनि का परीक्षण भी करते हैं। जांच के ये तमाम तरीके वस्तुतः पुरुषवर्चस्ववादी सोच के बारे में ही बताते हैं। मसलन, अगर 'टू फिंगर टेस्ट' में डॉक्टर पाते हैं कि शिकायत दर्ज करने वाली महिला शारीरिक संपर्क की अभ्यस्त है, तो फिर उसकी शिकायत को बहुत गंभीरता से नहीं लिया जाता। इसी तरह 'टू फिंगर टेस्ट' में अगर बलात्कार की पुष्टि होती है, तो ऐसे मामलों में कई बार लड़कियों के चरित्र की तहकीकात की जाती है। इन्हें पुरुषवर्चस्ववादी सोच के सिवा भला और क्या कहें! गौर करने वाली बात यह है कि बलात्कार की परिभाषा अब बदल गई है। इसकी परिभाषा अब ज्यादा व्यापक है। उदाहरण के लिए, ताकत के बल पर किसी को नग्न करना और उसे अपने या किसी दूसरे का जननांग स्पर्श करने के लिए बाध्य करना भी बलात्कार के दायरे में आता है। अक्षतयोनि लड़कियां भी बलात्कार की शिकार हो सकती हैं। ऐसे ही किसी पुरुष के शारीरिक संपर्क के बगैर भी कोई लड़की कौमार्य परीक्षण में फेल हो सकती है। इस तरह देखें, तो आधुनिक समाज में 'टू फिंगर टेस्ट' का अनौचित्य, इसकी अनैतिकता और अवैज्ञानिकता बार-बार प्रमाणित हुई है। कभी किसी समाज में पुरुषों के कौमार्य परीक्षण की परंपरा नहीं रही है। इस मामले में लड़कियां और महिलाएं ही प्राचीन काल से अब तक बार-बार अपमानित-असम्मानित होती रही हैं। इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि एक बार पुरुष का शिकार होने के बाद 'टू फिंगर टेस्ट' में उसे फिर डॉक्टर का शिकार होना पड़ता है। सवाल यह है कि ऐसी लड़कियों के प्रति हमारे समाज में घृणा और हिकारत की भावना ही क्यों पनपती है। ऐसा क्यों मान लिया जाता है कि इनकी जिंदगी अब खत्म और व्यर्थ हो गई है लड़कियों और महिलाओं को यौन अत्याचार के क्रूर अनुभवों से गुजरना पड़ता है, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है हमारा समाज, हमारी पुलिस व्यवस्था और हमारी पुरुषवर्चस्ववादी सोच। वस्तुतः ऐसी लड़कियां घृणा की नहीं, संवेदना की हकदार हैं। बलात्कार से लड़कियों और स्त्रियों का जीवन खत्म नहीं हो जाना चाहिए, बल्कि समाज की तरफ से ऐसी कोशिश होनी चाहिए कि वे सिर उठाकर जीने और जीवन में कुछ सार्थक कर पाने का आत्मविश्वास हासिल कर पाएं।

भारत के विकसित बनने की बाधाएं, ऐसे तो नहीं पूरा होगा देश के विश्वस्तरीय बनने का सपना

गुजरात के मोरबी में 143 वर्ष पुराना झूले वाला पुल टूटकर गिरने से 130 से अधिक लोगों की दुखद मौत ने न केवल पूरे देश को सकते में डाल दिया, बल्कि शहरी ढांचे और सार्वजनिक सुरक्षा को लेकर बरती जाने वाली लापरवाही की पोल भी खोल दी। प्रधानमंत्री ने इस हादसे की जांच में किसी नेता और नौकरशाह के हस्तक्षेप न करने की बात कही है। इस घटना के लिए झूले वाले पुल की मरम्मत और संचालन करने वाली कंपनी के साथ नगर निकाय भी कठघरे में है। जहां कंपनी के अधिकारियों और कर्मचारियों की गिरफ्तारी की गई है, वहीं मोरबी नगर पालिका के मुख्य अधिकारी को निलंबित कर दिया गया है। इस हादसे ने स्थानीय प्रशासन की भी पोल खोलने के साथ यह स्पष्ट किया कि बुनियादी ढांचे के निर्माण और उसके रखरखाव में लापरवाही बरती जा रही है। हाल में प्रधानमंत्री (इश् श्द्र) ने गुजरात में ही कहा था कि देश के विकास में एक अलग मापदंड अपनाना होगा, पर मोरबी की घटना यही बता रही है कि ऐसा नहीं किया गया। हमारे अन्य शहर भी इसकी गवाही देते हैं कि उनके विकास की समुचित चिंता नहीं की जा रही है। इसी कारण हमारे शहर धूल, गंदगी, प्रदूषण, ट्रैफिक जाम के साथ जर्जर बुनियादी ढांचे से दो-चार हैं। इसके चलते हर तरह की दुर्घटनाएं होती ही रहती हैं। सामान्य बरसात में शहरों में जलभराव की समस्या आम है। इसी तरह कारखानों, होटलों, अस्पतालों में आग लगने की घटनाएं भी होती रहती हैं। हमारे शहर अन्य अनेक समस्याओं से भी जूझते रहते हैं, जैसे कि इन दिनों दिल्ली-एनसीआर के साथ उत्तर भारत के कई शहर खतरनाक वायु प्रदूषण से त्रस्त हैं। इसका एक कारण यह है कि पंजाब के जिन अधिकारियों पर यह देखने

का दायित्व था कि पराली न जलने पाए, उन्होंने अपना काम सही से नहीं किया। चूंकि शहरों में रोजगार के लिए ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन जारी है, इसलिए उनकी आबादी बढ़ रही है। इसके बाद भी शहरों का ढांचा और सार्वजनिक सुरक्षा की स्थिति में कोई सुधार नहीं हो रहा। कारण यह है कि नगर निकायों की जबावदेही तय नहीं की जा रही है। यह तब है, जब सभी इससे परिचित हैं कि किसी भी देश के शहर अर्थव्यवस्था का इंजन होते हैं। मोरबी की घटना से यह साफ है कि झूले वाले पुल की मरम्मत में नगर पालिका की आंखों में धूल झोंकी गई। मरम्मत के नाम पर सिर्फ रंगरोगन कर दिया गया। जिस कंपनी ने मरम्मत का काम कराया, उसने यह नहीं देखा कि काम सही ढंग से हुआ है या नहीं? नगर पालिका अधिकारियों ने न तो इसकी चिंता की और न ही यह देखा कि बिना अनुमति पुल कैसे चालू कर दिया गया और उसमें क्षमता से अधिक लोगों को जाने की अनुमति क्यों दी गई? स्पष्ट है कि हर स्तर पर घोर लापरवाही बरती गई। मोरबी नगर पालिका यह कहकर बच नहीं सकती कि उससे बिना पूछे सात महीने से बंद पुल को कथित मरम्मत के बाद खोल दिया गया। प्रश्न यह है कि किसी ने पुल की मरम्मत की परख क्यों नहीं की? यह प्रश्न यही बताता है कि शहरी ढांचे की गुणवत्ता और सार्वजनिक सुरक्षा के उपायों की कोई निगरानी नहीं की जाती। इससे इन्कार नहीं कि आम तौर पर नगर निकायों के अफसर और इंजीनियर अपना काम जिम्मेदारी से नहीं करते। इसीलिए शहरी ढांचा दुर्दशा से ग्रस्त है और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का स्तर दोयम दर्जे का है। कई बार यह देखने को मिलता है कि जब तक कोई निर्माण कार्य पूरा होता है, तब तक या तो उसकी उपयोगिता आधी-अधूरी साबित होती है या फिर उसकी गुणवत्ता का स्तर घटिया सिद्ध होता है। कभी-कभी तो ऐसा लगता है कि नगर निकाय जो भी काम कराते हैं, उसमें आम लोगों के बजाय ठेकेदारों की अधिक चिंता करते हैं। इसी कारण एक ही काम की मरम्मत के लिए बार-बार टेंडर उठते हैं और हर तरह के निर्माण कार्य में भ्रष्टाचार देखने को मिलता है। नगर निकायों और ठेकेदारों की साठगांठ लगातार गहरी होती जा रही है। इसके चलते निर्माण कार्यों का स्तर गिर रहा है। यह स्थिति तब तक बदलने वाली नहीं, जब तक नगर निकायों और उनके तहत काम करने वाले ठेकेदारों को कानूनी रूप से जवाबदेह नहीं बनाया जाता। होना तो यह चाहिए कि उन्हीं ठेकेदारों से काम कराने का कोई नियम-कानून बने, जो गुणवत्तापूर्ण काम करने के लिए जाने जाते हों और जिनकी विश्वसनीयता प्रमाणित हो। अगर कोई ठेकेदार सुरक्षा और इंजीनियरिंग के मानकों से समझौता करता पाया जाए तो उसे हमेशा के लिए काली सूची में डाला जाना चाहिए और इंजीनियरों को भी जवाबदेह बनाया जाना चाहिए, क्योंकि सारी गड़बड़ियां उन्हीं की निगरानी में होती हैं। यह नहीं होना चाहिए कि कोई हुनरमंद ठेकेदार किसी काम का ठेका ले और उसे अनुभवहीन छोटे ठेकेदारों को दे दे। चूंकि अपने देश में शहरी विकास से जुड़े निर्माण कार्यों में लगे मजदूरों को कोई औपचारिक ट्रेनिंग नहीं दी जाती, इसलिए वे गुणवत्ता और सुरक्षा की परवाह नहीं करते। इस पर तत्काल प्रभाव से ध्यान देने की जरूरत है, अन्यथा शहरी ढांचा इसी तरह गया-बीता बना रहेगा और हमारे शहर विश्वस्तरीय नहीं बन पाएंगे। शहरों को विश्वस्तरीय बनाने के लिए बीते दिनों प्रधानमंत्री ने गुजरात में जो कहा, उसे जमीन पर उतारने की जरूरत है। यह तभी होगा जब केंद्र और राज्य सरकारें अपना रवैया बदलेंगी। रवैया बदलने के साथ मौजूदा नियम-कानूनों में आवश्यक बदलाव भी किए जाने चाहिए। सीपीडब्ल्यूडी, पीडब्ल्यूडी जैसी अन्य सरकारी एजेंसियों के साथ नगर निकायों के अधिकारियों के कौशल का निरंतर परीक्षण होने के साथ यह भी देखा जाना चाहिए कि वे मानकों के अनुरूप काम कर रहे हैं या नहीं यदि ऐसा नहीं किया जाता तो विकसित भारत का जो स्वप्न हमारे नेता दिखा रहे हैं, वह पूरा होने वाला नहीं। शासन-प्रशासन को गंभीरता दिखाने के साथ देश की जनता को भी अपने शहरों को स्वच्छ रखने की आदत डालनी होगी और अपने साथ औरों की भी सुरक्षा के मामले में अनुशासन का परिचय देना होगा। अक्सर देखा जाता है कि औसत नागरिक सार्वजनिक स्थलों पर अनुशासन का परिचय देने से इन्कार करते हैं।

आसानी से नहीं छूटती पुरानी आदत, सिर की जगह गाड़ी में लटकाए मिलते हैं हेलमेट

अब सड़कों पर इंसानों से अधिक वाहन दिखाई देते हैं। लोगों पर डीजल और पेट्रोल की बढ़ी हुई कीमतों का कोई विपरीत प्रभाव ही नजर नहीं आता। दोपहिया और चारपहिया गाड़ियों की अप्रत्याशित बढ़ोतरी के चलते जाम और प्रदूषण का बोलबाला है और सड़क दुर्घटनाएं भी बढ़ी हैं। इसीलिए पिछले कुछेक वर्षों से यातायात पुलिस ने दोपहिया चालकों के लिए हेलमेट और चारपहिया वालों की खातिर सीट बेल्ट की अनिवार्यता लागू कर दी है। पुलिस चेकिंग और चालान के भय से लोग हेलमेट खरीदने लग गए और उनको लगाने भी लगे। मगर पुरानी आदतें जाते-जाते भी पूरी तरह से नहीं जा पाती हैं। यूं भी हम लोगों को बेवजह अपने सिर पर कोई बोझ रखने की आदत नहीं रही है। हम वे लोग हैं, जो महंगाई तक को बोझ नहीं समझते हैं। तेल की कीमतें कितनी भी बढ़ जाएं, हम चार कदम भी पैदल चलने में लज्जा का अनुभव करते हैं। हेलमेट भी हमें बोझ सरीखा लगता है। मैं जब भी सड़क पर होता हूं, दोपहिया वाहन चालकों की मानसिकता से आकर्षित होता हूं। देखता हूं कि लोग वाहन चेकिंग के भय से गाड़ी चलाते समय हेलमेट तो साथ रखते हैं, लेकिन उसको सिर की जगह गाड़ी में लटकाए मिलते हैं। कुछ लोगों के हेलमेट तो पीछे बैठी हुई सवारियों के हाथों में नजर आते हैं। पत्नी पीछे बैठी होती है और उसकी गोद में पति का शीश-रक्षक और बच्चा, दोनों एक साथ सुशोभित मिलते हैं। इकलौते बाइक सवार अपना हेलमेट रियर व्यू मिरर में लटका कर चलते हैं। ऐसे दोपहिया चालक सिर्फ चालक ही नहीं होते हैं, वे अतिशय चालाक भी हुआ करते हैं। वे बराबर यह सावधानी रखते हैं कि कहीं आगे चेकिंग के नाम पर पुलिस तो नहीं खड़ी है। हम सड़क पर ऐसे लोगों को चौराहे से कुछ पहले रुककर हेलमेट धारण करते हुए देख सकते हैं। चेकिंग प्वाइंट पार करने के बाद ये हेलमेट पूर्ववत अपने उसी स्थान पर आ जाया करते हैं। चारपहिया वाले वाहन चालक सीट बेल्ट के जनेऊ को कंधे से उतार कर धीरे से सीट पर सरका दिया करते हैं। सड़कों पर अंधाधुंध भागती युवा पीढ़ी की बाइकों और तेज रफ्तार ट्रक-कारों के बीच हेलमेट या सीट बेल्ट लगाए बिना वाहन चलाना कितना खतरनाक है, इसकी कल्पना भी सिहरन पैदा करती है। यह साक्षात यमराज को न्योता देने के समान है। एक बार यमराज अपने वाहन भैंसे पर सवार होकर अगले शिकार की खातिर जैसे ही सड़क पर आए, वह भी धर लिए गए, क्योंकि चौराहे पर वाहन चेकिंग चल रही थी। एक सिपाही ने देखा तो उसने उनकी भैंसे के आगे अपना डंडा अड़ा दिया। यमराज तमतमाते हुए बोले, 'ऐ किनारे हटो। मुझे आज तक किसी ने नहीं रोका। फिर तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई? मेरी पहुंच कहां तक है, कदाचित तुम्हें इसका ज्ञान नहीं है!' सिपाही को सिर्फ अपनी ड्यूटी का ज्ञान था। उसे ऐसी ऊंची पहुंच की हेकड़ी दिखलाने वालों से रोज ही दो-चार होना पड़ता था। तभी एक दूसरा सिपाही उनकी तरफ भागता हुआ आया और यमराज के भैंसे के सींग पकड़ लिए। सिपाही को आदत जो पड़ी हुई थी। वह जिस किसी के भी वाहन को रोकता था, सबसे पहले उसकी चाबी पर कब्जा करता। इसके बाद ही गाड़ी के कागजात वगैरह देखे जाते थे। सिपाही हत्थे से उखड़ता हुआ बोला, 'चलो, अपने इस वाहन के पेपर्स निकालो!' यमराज रौब गांठने की नीयत से बोले, 'मैं साक्षात यमराज हूं।' पुलिस वाला हंसता हुआ बोला, 'और हम यमराज के बाप हैं।' यह सुनकर यमराज के तो पसीने छूट गए। उनके पास न तो अपने वाहन का पंजीयन प्रमाणपत्र था, न ही ड्राइविंग लाइसेंस। बीमा के कागजात होने का तो कोई सवाल ही नहीं था, क्योंकि बीमा तो वे लोग कराया करते हैं, जिन्हें यमराज का डर हुआ करता है। उन्होंने प्रदूषण सर्टिफिकेट का नाम भी पहली बार यहीं पर सुना। हां, उनके पास हेलमेट के नाम पर एक अदद मुकुट जरूर था। वह भी आज जल्दबाजी में अपने घर पर छोड़ आए थे।

मेरे सवालों के लंबे जवाब, उदारवादी शब्दों से भरे आलेखों में छिपे अर्थ और आग्रह

पर ब्रिटिश मानसिकता वाले इयान जैक की भारत के प्रति अगाध रुचि थी। संडे टाइम्स के रिपोर्टर के तौर पर वह 1970 के दशक में पहली बार भारत आए थे, उसके बाद भी उनका भारत आना लगा रहा। पिछले सप्ताह उनकी मृत्यु हो गई अपने जीवन में मैं बहुत सारे लोगों के संपर्क में आया हूं, जो विद्वान, लेखक, कलाकार, खिलाड़ी, वैज्ञानिक, उद्यमी, राजनेता और कार्यकर्ता के रूप

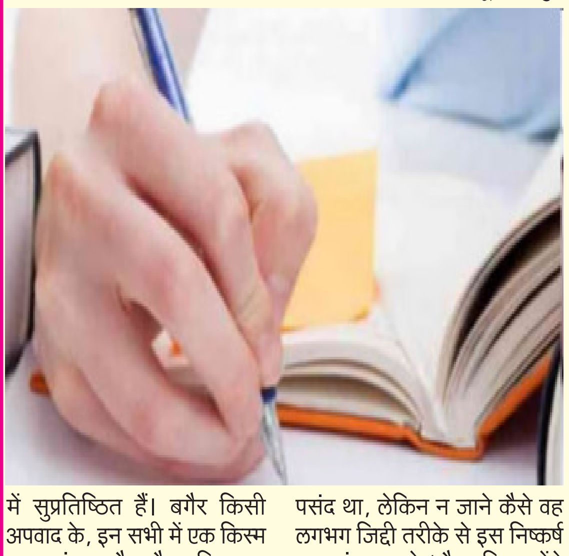

में सुप्रतिष्ठित हैं। बगैर किसी अपवाद के, इन सभी में एक किस्म का अहंकार है। जैसा कि कहा जाता है, 'वे सब अपने आपको बहुत समझते हैं।' इनमें से कुछ लोग अपनी उपलब्धियों के बारे में खुलेआम घमंड के साथ बताते हैं, तो कुछ लोग अपने बारे में विनम्रता से शेखी बघारते हैं। कुल मिलाकर, आपके साथ पहली ही मुलाकात में वे अपने महत्व के बारे में बता देते हैं। जीवन में मैं जिन सैकड़ों सफल और प्रसिद्ध लोगों से मिला हूं, उनमें से सिर्फ दो ही लोगों को मैं इसका अपवाद मान सकता हूं। इनमें से एक क्रिकेटर गुंडप्पा रंगनाथ विश्वनाथ हैं। दूसरे थे लेखक इयान जैक, जिनकी पिछले सप्ताह मृत्यु हो गई। विशी (विश्वनाथ) की तरह इयान में भी अद्भुत पेशेवर दक्षता और असाधारण व्यक्तिगत शालीनता का मेल था। वह अपनी पीढ़ी के महानतम स्तंभकार और साहित्य संपादक होने के साथ-साथ बहुत अच्छे और दयालु व्यक्ति थे। उन्हें पढ़ना अगर बेहद आनंददायक अनुभव था, तो उन्हें जानना आनंददायक और सौभाग्यपूर्ण था। स्कॉट पृष्ठभूमि, पर ब्रिटिश मानसिकता वाले इयान की भारत के प्रति अगाध रुचि थी। संडे टाइम्स के रिपोर्टर के तौर पर वह 1970 के दशक में पहली बार भारत आए थे, उसके बाद भी उनका भारत आना लगा रहा। भारत में जिन दो लोगों से उनकी गहरी दोस्ती थी, वे हैं स्त्रीवादी प्रकाशक उर्वशी बुटालिया और डॉक्यूमेंटरी फिल्म निर्मात्री नसरीन मुन्नी कबीर। वह बंगाल और बंगालियों को भी बहुत पसंद करते थे। हालांकि उन्हें भारतीय रेल में सफर करना और भारत के छोटे शहरों में घूमना बहुत पसंद था, लेकिन न जाने कैसे वह लगभग जिद्दी तरीके से इस निष्कर्ष पर पहुंच गए थे (जैसा कि उन्होंने मुझे लिखा भी था) कि 'रहने के लिए कोलकाता भारत का सबसे दिलचस्प शहर है।' 1990 के दशक के आखिर में मुन्नी कबीर ने पहली बार इयान जैक और उनकी पत्नी लिंडी शार्पे से मेरा परिचय कराया था। उसके बाद हम लंदन, बेंगलुरु और कुछ दूसरी जगहों में भी मिले, जहां संयोग से हम होते थे। हम नियमित रूप से पत्राचार भी करते थे। अक्तूबर, 2014 में महात्मा गांधी की जीवनी पर शोध करते हुए मैंने उन्हें लिखा, कि गांधी ने 1921 में जब असहयोग आंदोलन की शुरुआत की थी, जो उनका पहला बड़ा आंदोलन था, तब ब्रिटिश प्रेस का गांधी के प्रति रुख ज्यादातर संशयवादी या गाली-गलौज वाला था। उस समय ग्लोसगो हेराल्ड अकेला अखबार था, जिसने उस आंदोलन का विचारपूर्ण और संतुलित विश्लेषण किया था। मैंने इयान से यह जानना चाहा कि ग्लोसगो हेराल्ड किस तरह का अखबार था? उदारवादी या वाम रुझान वाला इयान ने मेरे सवाल के लंबे जवाब में लिखा कि जब उन्होंने 1965 में हेराल्ड जॉयन किया था, तब वह एक परंपरावादी व्यापार-समर्थक अखबार था। उस समय वह अखबार ट्रेड यूनियनों का विरोधी था। उस अखबार के दो प्रमुख लेखकों में से एक कंजरवेटिव पार्टी के सांसद बने थे, जबकि डिप्टी एडिटर जॉर्ज मेक्डोनाल्ड फ्रेजर को कुछ समय बाद फ्लैशमैन सीरीज के अपने उपन्यासों से प्रसिद्धि मिली। इयान ने इसके बाद लिखा, 'लेकिन 1921 में उस अखबार की छवि दूसरी रही हो सकती है। तब अखबार के संपादक सर रॉबर्ट ब्रुस थे, जिन्हें तत्कालीन उदारवादी प्रधानमंत्री डेविड लॉयड जॉर्ज से दोस्ती के कारण नाइट की उपाधि मिली थी। ब्रुस की विशेषज्ञता घरेलू मुद्दों में थी। इसलिए उन्होंने विदेशी मामलों की जिम्मेदारी दूसरे पत्रकारों पर छोड़ रखी थी। शायद उन्हीं में किसी ने गांधी के बारे में लिखा, क्योंकि उन्हें स्वतंत्रता हासिल थी। लेकिन वह अखबार गांधी के प्रति सहानुभूति पूर्ण तो कतई न रहा होगा।' इयान का यह जवाब उनके लेखन, सामाजिक और राजनीतिक इतिहास को जोड़ने की उनकी क्षमता, तकनीक के प्रति उनके आकर्षण, मानवीय चरित्रों के प्रति उनकी रुचि और दुनिया के साथ ब्रिटेन के जटिल रिश्ते के बारे में उनकी अगाध समझ के बारे में बताता है। द गार्डियन में इयान जैक को श्रद्धांजलि देते हुए उनके समकालीन जॉन लॉयड ने लिखा, 'इयान जैक एक पत्रकार के रूप में सुकरात के विचारों को आगे बढ़ाने वाले समकालीन वास्तुकार थे और सामने वाले के विचार को तवज्जो देते थे। हमेशा गहराई से पड़ताल करने के लिए तैयार रहते थे। कोई और ब्रिटिश पत्रकार उस स्तर पर काम नहीं करता, और अपनी मृत्यु के समय तक वह काम कर रहे थे?' लॉयड के लेख को पढ़ने के बाद कई पाठकों ने लिखा कि शनिवार के गार्डियन में वे सबसे पहले इयान जैक का लिखा पढ़ते थे; एक ने टिप्पणी की, वह गार्डियन के सर्वश्रेष्ठ लेखक थे। लेकिन हमेशा लगा कि उन्हें सामने नहीं लाया गया। ऑनलाइन में भी उन्हें प्रमुखता नहीं दी गई।' एक अद्भुत गद्य शैलीकार इयान जैक अपने लेखन को लेकर सजग थे। वह गार्डियन के लिए हजार शब्दों का आलेख हो, या ग्रांटा या लंदन रिव्यू ऑफ बुक्स के लिए लंबे आलेख (दस हजार शब्द), इन दोनों तरह का लेखन सहजता से करते थे।

विवियन ली और 'गॉन विथ द विन्ड' थ्री-स्ट्रिप टेक्नीकलर में बनी 'गॉन विथ द विन्ड'

मूल रूप से छः घंटे की बनी थी, जिसे काट कर करीब चार घंटे का रखा गया। महामंदी के दौर में निर्माता ने 3,9000,000 डॉलर लगाए थे और पूरा पैसा वसूल हुआ। दर्शकों तथा आलोचकों ने इसे सर-आंखों पर बैठाया। आपने आठ ऑस्कर से नवाजी 1939 की फ़िल्म 'गॉन विथ द विन्ड' देखी है, तो दो डॉयलॉग आप कभी नहीं भुला सकते हैं। डॉयलॉग हैं, 'फ्रैन्कली, माई डियर, आई डोन्ट गिव अ डैम' तथा

'टुमारो इज़ अनादर डे'। सर्वोत्तम फ़िल्म, सर्वोत्तम निर्देशक (विक्टर फ़्लेमिंग), सर्वोत्तम नायिका (विवियन ली), सर्वोत्तम स्क्रीनप्ले (सिडनी हॉवर्ड), सर्वोत्तम सहायक अभिनेत्री (हेट्टी मैक्डैनियल), सर्वोत्तम सिनेमाटोग्राफ़ी (अर्नेस्ट हालर तथा रे रेनहान), सर्वोत्तम संपादन (केर्न एवं न्यूकार्न), सर्वोत्तम कला निर्देशन (व्हीलर) के अलावा विलियम कैमरॉन मेन्ज़िएस को ऑनरेरी ऑस्कर प्राप्त हुआ। हॉलीवुड की कला और तकनीकि का एक सर्वोत्तम उदाहरण 'गॉन विथ द विन्ड' फ़िल्म के नाम कई प्रथम जुड़े हैं। किसी अफ़्रो-अमेरिकन सिने-कलाकार को मिलने वाला यह पहला ऑस्कर था। मैमी के रूप में अफ़्रो-अमेरिकन हेट्टी मैक्डैनियल ने अपनी भूमिका इस खूबसूरती से निभाई और फ़िल्म को मिले आठ ऑस्कर में से एक उसके नाम रहा। कलर फ़ोटोग्राफ़ी के लिए ऑस्कर उस साल प्रारंभ होने वाला विशेष पुरस्कार था। अकादमी पुरस्कार पाने वाली विवियन ली पहली ब्रिटिश अभिनेत्री है। विवियन ली उस समय मात्र 26 साल की युवती थी। भारत में जन्मीं विवियन ली बहुत कम लोगों को ज्ञात होगा कि ब्रिटेन से आकर हॉलीवुड में छा जाने वाली इस खूबसूरत अभिनेत्री का जन्म 5 नवम्बर 1913 को भारत के दार्जिलिंग में हुआ था। उसका बचपन भारत में गुजरा था। विवियन के माता-पिता प्रथम विश्वयुद्ध बाद इंग्लैंड लौट सके। विवियन, जिसे इंग्लिश पिता अर्नेस्ट रिचर्ड हार्टले प्यार से विवलिंग (विवियन ृ डार्लिंग) कहते थे, छः साल की उम्र में इंग्लैंड गई। माँ गर्ट्रुड मेरी की विरासत फ़्रेंच तथा आइरिश थी। लेस्ली हॉवर्ड उसका पसंददीदा अभिनेता थे और इसी का नतीजा हुआ कि उसी की शक्लोसूरत के एक इंग्लिश बैरिस्टर हर्बर्ट ली होलमैन से विवियन ने 19 साल की उम्र में 20 दिसम्बर 1932 को शादी कर ली। हालांकि दोनों का 19 फरवरी 1940 को तलाक हो गया पर विवियन जिसने उसके बीच के नाम 'ली' को अपना लिया था, अंत तक उसी नाम का प्रयोग करती रही।

संक्षिप्त समाचार

विदेश सचिव क्वात्रा ने न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र प्रमुख गुटेरेस से की मुलाकात

न्यूयार्क। विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने गुरुवार को संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस से मुलाकात की और गंभीर मुद्दों पर चर्चा की गई। इसकी जानकारी संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के हवाले से दी गई। गंभीर मुद्दों पर हुई चर्चा संयुक्त राष्ट्र में भारत के आधिकारिक ट्विटर हैंडल ने ट्वीट किया, विदेश सचिव महासचिवे से मुलाकात की। इस दौरान दोनों ने गंभीर चिंता के मुद्दों पर चर्चा की। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में अपनी ब्रीफिंग में विदेश सचिव ने वैश्विक समुदाय से सामूहिक रूप से उन लोगों को बाहर निकालने का आग्रह किया जो अमेरिकी प्रतिबंध शासन सहित आतंकवादियों का बचाव करते हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर थे जहां उन्होंने बहुपक्षवाद में वैश्विक चिंताओं और चुनौतियों पर अपने विचार व्यक्त किए। हमें भारत पर करना चाहिए भरोसा- गुटेरेस इस अवसर पर बोलते हुए, गुटेरेस ने कहा, हमें भारत पर भरोसा करना चाहिए क्योंकि यह अपने इतिहास, संस्कृति और इसके संस्करण में पूरी तरह से स्थिरता के एक नए युग की शुरुआत करने में मदद करने के लिए 20 समूह की अध्यक्षता करने जा रहा है।संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने भारत को आगामी 20 समूह की अध्यक्षता करने के लिए बधाई दी और कहा कि 20 देशों का वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का 80 प्रतिशत हिस्सा है, लेकिन यह वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 80 प्रतिशत का भी प्रतिनिधित्व करता है।

भोपाल से लौटते ही अनशन कारियों के बीच पहुंचकर अनशन को समाप्त कराया प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीकांत चतुर्वेदी

(आधुनिक समाचार सेवा)
मैंहर । अमदरा सर्किल विगत कई दिनों से अमदरा क्षेत्र के समाजसेवी व्यापारी गण ने अमदरा क्षेत्र मे एक रोड निर्माण को लेकर आंदोलन की राय पकड़ी थी विगत कई वर्षों से इस मांग को लेकर आला

अधिकारियों को ग्राम वासियों ने आवेदन दिया था मगर किसी प्रकार की सुनवाई ना होते देख अंता ग्रामवासी आंदोलन पर बैठ गए थे जैसे ही भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीकांत चतुर्वेदी जी को इस विषय की जानकारी लगी कि कुछ मांगों को लेकर हमारे क्षेत्र के युवा व्यापारी समाजसेवी गण आंदोलन में बैठे हैं श्री चतुर्वेदी जी ने सर्वप्रथम इस विषय की पूरी जानकारी लेते हुए सुबह कलेक्टर महोदय से एसडीएम महोदय से तहसीलदार महोदय से बात करके अमदरा क्षेत्र में हो रहे आंदोलन के विषय में चर्चा की जिसे देखते हुए माननीय कलेक्टर महोदय ने मैहर एसडीएम महोदय को तत्काल घटनास्थल पर जाकर सर्वे करने को कहा जिसे संज्ञान में लेते हुए मैहर तहसीलदार श्री मानवेंद्र सिंह जी व पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारी श्री त्रिपाठी जी सहित भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीकांत चतुर्वेदी जी अमदरा पहुंचे जहां पर आंदोलनकारियों से चर्चा कर उनकी मांग को देखते हुए उचित आश्वासन देते हुए आंदोलनकारियों को दूध पिला कर उनका अनशन समाप्त करवाया एवं क्षेत्र की जनता को संबोधित करते हुए श्रीकांत चतुर्वेदी जी कहा कि समय और परिस्थितियों को देखते हुए यह कार जल्द से जल्द शासन-प्रशासन की मदद से कराया जाएगा जिस में मुख्य रूप से उपस्थित रहे भारतीय जनता पार्टी मंडल अध्यक्ष सुजीत शिवहरे वरिष्ठ भाजपा नेता श्री विश्वनाथ तिवारी पूर्व मंडल अध्यक्ष सत्यभान पटेल , अवधेश परोहा, चंद्रभान सिंह पटेल सत्येंद्र सिंह बुंदेला बैंगन पांडे अहमदाबाद सरपंच राजेंद्र सिंह जी समाजसेवी नारायण दुबे कुटल गामा सरपंच आनंद तिवारी नंदू प्रसाद दुबे सुरेंद्र पटेल सुधीर दुबे सनी दुबे गोविंद अग्रवाल गिरधारी लाल अग्रवाल शिवकुमार साहू व समस्त आंदोलन करता साथी गण अमदरा क्षेत्र के समस्त प्रबुद्ध जन ग्रामवासी जन काफी संख्या में उपस्थित रहे।

मोदी वलसाड में रैली को कीया संबोधित, 552 लड़कियों के सामूहिक विवाह में भी होंगे शामिल

(आधुनिक समाचार सेवा)
अहमदाबाद। गुजरात में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी ने कमर कस ली है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को गुजरात के वलसाड जिले में एक जनसभा को संबोधित करेंगे और भावनगर में एक सामूहिक विवाह कार्यक्रम में शामिल होंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक पदाधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद प्रधानमंत्री का अपने गृह राज्य का यह पहला दौरा होगा भाजपा के प्रवक्ता यग्नेश दवे ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी रविवार दोपहर वलसाड जिले के नाना पोंढा में एक रैली को संबोधित करेंगे। वह शाम को भावनगर में सामूहिक विवाह समारोह में शामिल होंगे वलसाड जिले के कपराड़ा गांव में जनसभा को करेंगे संबोधित पीएम मोदी दोपहर 3 बजे वलसाड जिले के कपराड़ा गांव में जनसभा को संबोधित करेंगे। विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद प्रधानमंत्री का अपने गृह राज्य का यह पहला दौरा होगा।शाम लगभग 5:45 बजे, पीएम मोदी भावनगर में सामूहिक विवाह समारोह 'पापा नी परी' लग्नोत्सव 2022 में शामिल होंगे। समारोह में 522 लड़कियों का विवाह

कार्यक्रम में होगा, जिनके पिता नहीं हैं। इससे पहले 12 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजकोट जिले के जामकंदोरना में एक जनसभा को संबोधित किया था। रैली के बाद उन्होंने रोड शो भी किया। गुजरात में दो चरणों में एक और पांच दिसंबर को होंगे चुनाव गुजरात विधानसभा का कार्यकाल 18 फरवरी, 2023 को समाप्त हो रहा है। गुजरात में दो चरणों में एक और पांच दिसंबर को चुनाव होंगे। मतों की गिनती 8 दिसंबर को होगी।गुजरात में बीजेपी ने लगातार छह विधानसभा चुनाव जीते हैं। वहीं कांग्रेस पार्टी अपने उम्मीदवारों को चुनाव प्रचार के लिए अधिक समय देने के लिए उनकी उम्मीदवारी पर शीघ्र निर्णय लेने के लिए तैयार है और भारत जोड़ो यात्रा के माध्यम से अपने अभियान को मजबूत करने की कोशिश कर रही है। बता दें कि पिछले चुनावों के विपरीत, इस साल आम आदमी पार्टी भी दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में पूरी ताकत से चुनाव लड़ रही है, जिसने इसे त्रिकोणीय मुकाबला बना दिया है।

हिमाचल में होगा परिवर्तन जनता के विश्वास की सरकार बनेंगी-सतेन्द्र शर्मा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। उत्तर प्रदेश कॉंग्रेस कमेटी के पूर्व प्रदेश सदस्य एव हिमाचल प्रदेश की रेणुकाजी विधानसभा के सहपर्यवेक्षक सतेन्द्र शर्मा ने रेणुकाजी विधानसभा से कॉंग्रेस पार्टी के प्रत्याशी विनय कुमार जी के मुख्यचुनाव कार्यालय पर 12 नवंबर को होने वाले चुनाव के लिए विस्तार से चर्चा करते हुये कहा है कि आप सभी कॉंग्रेस कार्यकर्ताओ को घर घर जाकर कॉंग्रेस पार्टी के प्रत्याशी का मजबूती से प्रचार प्रसार करना है लोगो को वोट के लिए जागरूक करना है जिससे कॉंग्रेस पार्टी के प्रत्याशी को भारी मतों से विजय बनाए जाएं,कॉंग्रेस पार्टी की पूर्व राष्ट्रीय महासचिव आदरणीय प्रियंका गॉंधी जी हिमाचल प्रदेश के अलग अलग विधानसभाओ में जनसभाएं कर रही है।

पंचशील ग्रीन्स सोसायटी मे धडल्ले से हो रही है हरे पेड़ो की कटाई

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की पंचशील ग्रीन्स 2 सोसाइटी में सौंदर्यीकरण के नाम पर निवासियों

के द्वारा पिछले चार वर्षों में लगाए गए पेड़ों की अवैध कटाई बिल्डर ने करवा दिया। सुबह जब निवासियों ने कटे हुए पौधों को देखा तो पंचशील ग्रुप के मैनेजमेंट के फैसले पर सवाल किया व इसपर स्पष्टीकरण मांगा गया। जिस पर उनकी तरफ से कोई ठोस जवाब नहीं आया एवं सब लोग एक दूसरे के ऊपर टालमटोल की बात कह कर इधर-उधर बातें घुमाने लगे। तत्पश्चात निवासियों के द्वारा ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी में संपर्क किया गया जहाँ उन्होंने सोसाइटी का आंतरिक मामला बताते हुए पल्ला झाड़ कर वन विभाग से संपर्क करने बोला गया। अंत में परेशान रेजिडेंट वन विभाग के अधिकारियों से संपर्क साधा।जिसके बाद असिस्टेंट फॉरेस्ट ऑफिसर किताब सिंह द्वारा पुलिस के साथ सोसाइटी में आकर निरीक्षण किया गया एवं मौके पर उपस्थित एस्टेट मैनेजर को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया गया है। जबकि देखा जाए तो इसमें पूर्ण रूप से बिल्डर की ही संलिप्ता है और सोसाइटी अभी बिल्डर के द्वारा ही मैनेज/ मेंटेन किया जा रहा है।अतः समुचित कार्रवाई इनके ऊपर ही बनती है। वैसे यह भी देखना होगा कि क्या कानून सच में पंचशील ग्रीन्स 2 निवासियों को इसमें न्याय दिलवाएगा या अदने से कर्मचारी को पकड़कर कार्यवाही की खानापूर्ति का दिखावा करेगा! क्योंकि जहां एक तरफ पर्यावरण को बचाने की मुहिम उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के द्वारा की जाती है दूसरी तरफ उनके ही राज्य में बिल्डर उन्हीं के आदेशों को ठेंगा दिखाता है और प्रशासन उस पर कुछ भी नहीं करता है।

जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत बोले- केवल नदी नहीं हैं गंगा, धर्म-दर्शन, संस्कृति और सभ्यता का प्रवाह हैं

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। नदियों के बिना किसी भी सभ्यता का विस्तार नहीं हो सकता। मां गंगा भारत की सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक हैं। वह देश को एक सूत्र में बांधने का काम करती हैं। ये बातें केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत

ने कहीं। वह शनिवार को गंगा उत्सव 2022 को संबोधित कर रहे थे। गंगा के बिना भारतीय सभ्यता की कल्पना नहीं की जा सकती इस दौरान उन्होंने कहा कि गंगा के बिना भारतीय सभ्यता की कल्पना ही नहीं की जा सकती। देश में विभिन्न भाषाएं, धर्म और संस्कृति होने के बाद भी कुछ ऐसी चीजें हैं जो हमें बांधे रखती हैं, एकजुट रखती हैं। उनमें से गंगा एक हैं। मंत्रालय के बयान के अनुसार, शेखावत ने कहा कि मोक्षदायिनी मां गंगा केवल नदी ही नहीं हैं, बल्कि सदियों से भारत में धर्म, दर्शन, संस्कृति, सभ्यता का प्रवाह हैं।शेखावत ने आगे कहा गंगा के निर्मल प्रवाह ने भारत भूमि पर हर आयाम को जोड़कर रखा है। वह न केवन हमें जल देती हैं, बल्कि पोषण एवं रोजगार का अवसर भी देती हैं। उन्होंने 2014 में अमेरिका के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन का भी उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने गंगा को प्रदूषण मुक्त बनाने के अपने सपने के बारे में बताया था। पीएम ने वहां भारतीय समुदाय को संबोधित किया था। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सभी के प्रयासों से गंगा नदी अविरल और निर्मल बन गई हैं। दृढ़ इच्छा शक्ति से असंभव कार्य भी संभव हो जाता है। उन्होंने इस अभियान में योगदान देने वाले सभी लोगों को धन्यवाद दिया। कहा कि हमारे ऋषि-मुनियों ने गंगा को लेकर बहुत सारी बातें कही हैं। उनके बातें हमें निरंतर गंगा को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित करती हैं। इस अवसर पर केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि देशभर में नदियों के कायाकल्प में जनभागीदारी बहुत आवश्यक है। लोगों और नदियों के बीच संबंध इतना मजबूत है कि भारत में नदियों को माता के रूप में पूजा जाता है।

भाजपा किसान मोर्चा महानगर की बैठक

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा नोएडा महानगर के जिला अध्यक्ष ओमवीर अवाना की

अध्यक्षता में सेक्टर 26 स्थित विधायक पंकज सिंह के कार्यालय पर जिला बैठक का आयोजन किया गया जिसमे पार्टी के आगामी कार्यक्रम जिला प्रशिक्षण वर्ग की रूपरेखा तैयार की गई । इस जिला बैठक को संबोधित करते हुए किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष ओमवीर अवाना ने सभी जिला पदाधिकारी और मंडल अध्यक्ष व मंडल महामंत्री को सम्बोधित करते हुए कहा कि सभी लोग जिला प्रशिक्षण वर्ग को सफल बनाने में जुट जाए। जिला प्रशिक्षण वर्ग को सफल बनाने के लिए जिला अध्यक्ष ओमबीर अवाना जी ने जिला उपाध्यक्ष अजय यादव को कार्यक्रम संयोजक और जिला उपाध्यक्ष रोहित शर्मा को कार्यक्रम सह संयोजक बनाया गया। इस मौके पर किसान मोर्चा के जिला महामंत्री घनश्याम यादव , मुक्तानंद प्रधान, उपाध्यक्ष इंद्राज खटाना, जिला मंत्री अनिल मास्टर ,सतपाल अवाना विजय अवाना, सर्वेश कुमार सिंह, जिला मीडिया प्रभारी प्रवीण कुमार झा, जिला मीडिया सह प्रभारी सौरभ बैसोया, जिला कार्यकारिणी सदस्य भागवत दयाल शर्मा ,अशोक यादव और मंडल अध्यक्ष प्रमोद कुमार , शक्ति सिंह गुर्जर, प्रदीप शर्मा, महेश चंद्र, संजीव पटेल, मंडल महामंत्री बलवंत सिंह, हिमाशु शर्मा, रविन्द्र यादव, लीलू अवाना, एव बबलू यादव, आदेश यादव, श्याम प्रकाश, मनोज कुमार अग्रवाल, पंडित प्रदीप त्यागी सहित सभी जिला पदाधिकारी और मंडल अध्यक्ष व मंडल महामंत्री उपस्थित रहे।

जेल में बंद नेता नवाब मलिक की बढ़ेगी मुश्किलें

(आधुनिक समाचार सेवा)
मुंबई। न्यायिक हिरासत में चल रहे राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता नवाब मलिक की कुछ संपत्तियां अस्थायी रूप से जब्त करने की विशेष पीएमएलए कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को इजाजत दे दी है। मलिक को ईडी ने फरवरी में गिरफ्तार किया था। महाराष्ट्र की महाविकास आघाड़ी सरकार में अल्पसंख्यक विकास मंत्री रहे नवाब मलिक पर भगोड़े अंडरवर्ल्ड सरगना दाऊद इब्राहिम की बहन हसीना पारकर एवं मुंबई विस्फोट कांड के एक आरोपी सलीम पटेल के साथ मिलकर कुर्ला के गोवावाला कंपाउंड में तीन एकड़ भूखंड कब्जा करने का आरोप है। यह कंपाउंड मुनीरा प्लंबर नामक महिला के नाम पर था। प्लंबर ने इस प्लाट की पावर आफ एटार्नी सलीम पटेल के नाम कर दी थी ताकि वह इस भूखंड पर हो गए अवैध कब्जों को हटवा सके। लेकिन पटेल ने पावर आफ अटार्नी लेने के बाद मुनीरा प्लंबर की मदद करने के बजाय दाऊद की बहन एवं नवाब मलिक के साथ मिलकर उसके भूखंड पर ही कब्जा कर लिया था। हसीना पारकर के इशारे पर पटेल ने यह भूखंड कुर्ला के ही रहनेवाले नवाब मलिक की कंपनी सालिडस इन्वेस्टमेंट्स प्रा.लि. को बहुत कम कीमत पर बेच दी थी। इस सौदे में ईडी ने पिछले वर्ष ही मनी लांड्रिंग की जांच शुरू कर दी थी और इस वर्ष 13 फरवरी को लंबी पूछताछ के बाद नवाब मलिक को गिरफ्तार कर लिया गया था। तब से मलिक न्यायिक हिरासत में हैं और एक प्राइवेट अस्पताल में अपना इलाज करवा रहे हैं। गिरफ्तारी के बाद इसी वर्ष अप्रैल में ईडी ने उनकी कुछ संपत्तियां अस्थायी रूप से जब्त कर ली थीं। अब पीएमएलए कोर्ट ने मलिक की कुछ और संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त करने की अनुमति ईडी को दे दी है। इनमें कुर्ला के गोवावाला कंपाउंड के अलावा मलिक के कुर्ला एवं बांद्रा स्थित पांच फ्लैट एवं महाराष्ट्र के उस्मानाबाद स्थित 147 एकड़ खेती की जमीन भी शामिल है।

इनमें कुर्ला के गोवा वाला कंपाउंड के अलावा मलिक के कुर्ला एवं बांद्रा स्थित पांच फ्लैट

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर के इलाकों में बीते दिनों से वायु प्रदूषण स्थिति काफी गंभीर बनी हुई है। लोकलसर्किल नामक

कम्युनिटी इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म की तरफ से किए गए सर्वेक्षण में यह बात सामने आई है कि दिल्ली-एनसीआर के पांच में से चार परिवार प्रदूषण की वजह से बीमार है। लोकलसर्किल ने दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा, फरीदाबाद और गुरुग्राम के 19000 से अधिक लोगों को सर्वे में शामिल किया है। इनमें 63 प्रतिशत पुरुष और 37 प्रतिशत महिलाएं शामिल की गई हैं। एलएनजेपी अस्पताल के एमडी डॉ सुरेश कुमार ने बताया कि प्रदूषण बढ़ने से अस्थमा, सांस लेने में तकलीफ और ब्लड प्रेशर के मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है। बढ़ी हुई पीएम 2.5 उपस्थिति के साथ प्रदूषित हवा प्रभावित लोगों में सांस लेने की समस्याओं को बढ़ा देती है। 10-15 लोग और 2-3 बच्चे हर दिन अस्पताल आ रहे हैं। 69 प्रतिशत लोग गले से संबंधित बीमारी से हैं प्रेशान। 50 प्रतिशत लोग नाक बहना संबंधित बीमारी से ग्रस्त। 56 प्रतिशत लोग आंखों में जलन से पीड़ित। 44 प्रतिशत लोग सांस लेने संबंधी बीमारी से ग्रस्त। 44 प्रतिशत लोग सिर दर्द से पीड़ित। 31 प्रतिशत लोग ध्यान केंद्रित नहीं कर पाने से पीड़ित।12 प्रतिशत लोग एक या दो बार डाक्टर के पास जा चुके हैं। 6 प्रतिशत लोग एक या दो बार अस्पताल पहले से जा चुके हैं। 22 प्रतिशत लोगों ने अपने डाक्टर से प्रदूषण से संबंधित बीमारी को लेकर सलाह लिया है। 6 प्रतिशत लोग आगामी दिनों में प्रदूषण से संबंधित बीमारी को लेकर डाक्टर के पास जाने की योजना बना रहे।24 प्रतिशत लोग घर में बिना डाक्टर की सलाह पर खुद प्रदूषण से संबंधित बीमारी से निपटने की बात कही। 24 प्रतिशत लोगों ने कहा कि उन्हें प्रदूषण से संबंधित कोई बीमारी नहीं है। 6 प्रतिशत लोग दिल्ली-एनसीआर से बाहर गए।

ट्रैफिक पुलिस की एडवायजरी

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। मामूली राहत के बीच दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण बहुत खराब श्रेणी में ही बना हुआ है। दिल्ली के साथ-साथ एनसीआर के शहरों में भी वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 से नीचे हैं, लेकिन यह भी स्वास्थ्य के लिहाज से कहीं से अच्छा नहीं है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने भी जारी की एडवायजरी दिल्ली में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान लागू होने के बाद ट्रकों के प्रवेश पर रोक लग गई है, हालांकि जरूरी सेवाओं वाले ट्रकों के प्रवेश पर छूट है। इस बीच दिल्ली यातायाता पुलिस ने एडवायजरी भी जारी की है। इसके तहत गैर-जरूरी ट्रकों का प्रवेश, नोएडा के रास्ते दिल्ली में गैर-बीएस न्न्य् डीजल से

चलने वाले हल्के वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध है। वहीं, दिल्ली में जरूरी सेवाओं के अतिरिक्त डीजल ट्रकों को शहर में प्रवेश न होने देने के लिए दिल्ली परिवहन विभाग ने कमर कस ली है। शनिवार को इसे लेकर परिवहन आयुक्त आशीष कुंद्रा ने सभी प्रमुख एजोसियों की बैठक ली और आगे की रणनीति पर चर्चा की गई। बता दें कि ट्रकों पर प्रवेश करने पर 20,000 रुपये का चालान का प्रविधान है। 109 छोटे नाकों पर तैनात की गई टीमें इसमें तय हुआ है कि दिल्ली में प्रवेश कर करने वाले 20 बड़े नाकों पर परिवहन विभाग और यातायात पुलिस की संयुक्त टीमें मौजूद रहेंगी। इसके अलावा अन्य 109 छोटे नाकों पर भी टीमें औचक निरीक्षण करेंगी। इस बैठक के बाद दक्षिणी दिल्ली में बड़े नाके में शुमार रजोकरी प्वाइंट पर परिवहन विभाग और दिल्ली यातायात पुलिस की संयुक्त टीम तैनात कर दी गई।

पति रणबीर कपूर संग अस्पताल पहुंची आलिया भट्ट, कपूर परिवा में जल्द गूंजेगी किलकारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। अभिनेता रणबीर कपूर और आलिया भट्ट बहुत जल्द अपने पहले बच्चे का स्वागतकरने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्र्स के मुताबिक अपने पहले बच्चे की डिलीवरी के की डिलीवरी के लिए हॉस्पिटल पहुंच चुके हैं। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट्र्स के मुताबिक जल्द ही आलिया अपने पहले बच्चे को जन्म देने वाली है। इस कपल का परिवार और फैंस भी इस बड़ी बेसब्री से अस्पताल में एडमिट करा दिया गया है। अब किसी भी पल कपूर खानदान के नन्हे मेहमान को लेकर खबरें आ सकती है आलिया भट्ट और रणबीर कपूर इसी साल 14 अप्रैल को शादी

लिए एचएन रिलायंस अस्पताल, गिरगांव पहुंचे हैं। यहां पहले से ही हॉस्पिटल में रूम बुक कर दिया गया है। बता दें कि अक्टूबर के शुरुआत में ही भट्ट और कपूर फैमिली ने मिलकर आलिया की गोद भराई का फंक्शन किया था। आलिया की डिलीवरी से जुड़ी एक बड़ी जानकारी सामने आ रही है कि आलिया और रणबीर, बच्चे बच्चे का इंतजार कर रहे हैं। बता दें कि पहले खबर आई थी कि आलिया की डिलीवरी नवंबर महीने के आखिर या दिसंबर के पहले हफ्ते में हो सकती है। लेकिन अब मीडिया में चल रही खबरों पर विश्वास करें तो ये जोड़ा बच्चे को इस दुनिया में लाने के लिए घर निकल चुका है। आलिया को सुबह 7:30 बजे एचएन रिलायंस के बंधन में बंध गए थे। इसके दो महीने बाद भी आलिया ने अपनी प्रेग्नेंसी की खबर सुना कर सबको चौंका दिया था। सोशल मीडिया पर एक प्यारी सी पोस्ट कर उन्होंने इसकी जानकारी फैंस को दी थी। अभी हाल ही में इन्हें फिल्म ब्रह्मास्त्र में पहली बार साथ देखा गया। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत बड़ी हिट साबित हुई।

जया बच्चन को नहीं याद अपनी पहली सैलरी, कहा- मैंने कभी पूछा ही नही

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। जंजीर, गुड्डी, सिलसिले और अभिमान जैसी फिल्म में काम करने वाले हिंदी सिनेमा की सुपरस्टार एक्ट्रेस जया बच्चन अपनी बयान बाजी को लेकर खासी चर्चा में रहती हैं। अब उन्होंने एक पॉडकास्ट में अपनी नातिन नव्या नवेली नंदा के पॉडकास्ट में बात करते हुए खुलासा किया कि उन्हें याद नहीं कि उनकी पहली सैलरी क्या थी। जया बच्चन ने अपनी नातिन के नंदा और नानी जया बच्चन के साथ मिलकर महिलाओं को अपने वित्त पर नियंत्रण करने की आवश्यकता क्यों है के मुद्दे पर बात की है। आपको बता दें कि जया बच्चन ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत साल 1963 में आई सत्यजीत रे की बंगाली फिल्म की थी। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में काम किया है, लेकिन उन्हें पहचान साल 1971 में आई फिल्म गुड्डी से मिली, जिसमें उन्होंने एक वयस्क के रूप में काम

पॉडकास्ट व्हाट द हेल नव्या के लेटेस्ट एपिसोड में अपनी पहली सैलरी के बारे में खुलासा करते और फिल्म में अपने करियर की शुरुआत की बारे में बात करते हुए कहा, मैंने 13 साल की उम्र में काम करना शुरू किया था, लेकिन मुझे नहीं पता कि मुझे उस काम के लिए कितनी सैलरी मिली... मैंने कभी अपने पिता से इस बारे में नहीं पूछा।एक्ट्रेस ने आगे कहा, जब मैं अपनी पढ़ाई के लिए कॉलेज गई तो मैंने अपने पिता से कहा कि मैं नहीं चाहती कि आप मुझे फाइनेंस करें और मैंने अपनी पढ़ाई का खर्चा खुद उठाया। इस एपिसोड में नव्या ने अपनी मां श्वेता बच्चन किया था। बताया जाता है कि इसी फिल्म के सेट से अमिताभ बच्चन और जया ने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया था। हाल ही में वो अपनी उस वक्त चर्चा में आईं थीं, जब उन्होंने इसी पॉडकास्ट में नव्या को फिजिकल रिलेशन के बारे में सलाह दी थी और उन्होंने कहा था कि नव्या अगर शादी से पहले मां बनती हैं तो मुझे कोई परेशानी नहीं होगी। बात अगर उनके वर्कफ्रंट की करें तो वो करण जौहर के निर्देशन में बनने वाली फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में रणवीर सिंह, आलिया भट्ट, धर्मेंद्र और शबाना आजमी के साथ अहम किरदार में नजर आने वाली हैं।

'राम सेतु' की उल्टी गिनती हुई शुरू 12 दिनों में नहीं निकाल पाई लागत

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। अक्षय कुमार की 'राम सेतु' को रिलीज हुए 12 दिन पूरे हो चुके हैं लेकिन फिल्म अपनी लागत तक नहीं निकाल पाई है। किसी जमाने को अक्षय को बॉक्स ऑफिस का खिलाड़ी कहा जाता था, अब पहले ही उसका जीना मुश्किल कर रही थीं। इस शुक्रवार 4 नवंबर को तीन फिल्में और भी रिलीज हो गई है जिसने राम सेतु की कमाई पर असर डाला है। फिल्म वैसे तो पहले भी कुछ अच्छा नहीं कर रही थी लेकिन इस शुक्रवार के बाद से दर्ज की। इसकी लगातार घट रही कमाई के बावजूद ये सिनेमाघरों में अभी भी टिकी हुई इसके उल्ट थैंक गॉड का डिब्बा बॉक्स ऑफिस से कब का गोल हो चुका है। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार फिल्म का टोटल बजट 70 करोड़ के करीब

लगता है कि उनके सारे दांव पेंच खाली जा रहे हैं। 'राम सेतु' इस साल रिलीज हुई उनकी चौथी फिल्म है और अगर ओटीटी पर कठपुतली को मिला दिया जाए तो पांचवीं। ये सारी ही फिल्में अपना असर छोड़ने में नाकाम रहीं हैं। 'राम सेतु' के सामने मुश्किलें अब दोगुनी नहीं बल्कि पांच गुनी हो गई हैं। बॉक्स ऑफिस पर कांतारा और थैंक गॉड तो इसे 70 करोड़ क्रॉस करने के लिए भी मशक्कत करनी पड़ रही है। सैकनिल्क डॉट कॉम के अनुसार फिल्म ने अपनी रिलीज के 12वें दिन सभी भाषाओं में 1.75 करोड़ का बिजनेस किया है। इसके साथ ही फिल्म के कुल कमाई का आंकड़ा पहुंच गया है 69.12 करोड़ के पास। वो वहीं फिल्म ने शनिवार को हिन्दी बेल्ट में 15.47ज्ञ् की ऑक्यूपेंसी का है। इसके हिसाब से तो राम सेतु ने अब तक अपनी लागत के ऊपर एक भी रुपया नहीं कमाया है। हालांकि अभी फाइनल आंकड़े आने बाकी हैं जिसके बाद ही कहा जा सकता है कि 'राम सेतु' हिट हुई या फ्लॉप? लेकिन ये तो तय है कि अक्षय कुमार के लिए बॉक्स ऑफिस के लिहाज से ये साल काफी बुरा रहा है।

दूसरे दिन भी नहीं चला कटरीना का जादू, 'फोन भूत' ने बस इतनी की कमाई

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। इस शुक्रवार बॉक्स ऑफिस पर फिल्म 'फोन भूत' सहित दो और फिल्में रिलीज हुई हैं। सूर्यवंशी के बाद, कैटरीना कैफ ने हॉरर कॉमेडी 'फोन भूत' के साथ सिल्वर स्क्रीन पर वापसी की, जिसमें जा सकता है। वहीं दूसरे दिन इसके कलेक्शन में कुछ इजाफा जरूर हुआ लेकिन अभी भी फिल्म का दो दिन का बिजनेस इसे स्पीड देने में नाकाम नजर आ रहा है। हालांकि जाह्नवी कपूर की 'मिली', सोनाक्षी सिन्हा और हुमा कुरैशी की 'डबल संभव है)। इस तरह से इसका दो दिन का बिजनेस पहुंचता है 4.60 करोड़ के करीब। फिल्म की कहानी की बात करें तो पहली बार हॉरर कॉमेडी जॉनर में हाथ आजमा रही कटरीना ने भूतनी के किरदार में फिल्म में जान लगा दी है। ईशान

ईशान खट्टर और सिद्धांत चतुर्वेदी भी लीड रोल में नजर आ रहे हैं। सिनेमाघरों में हुई इस घमासान में कमाई के मामले में सबसे ऊपर कटरीना की ही फिल्म है लेकिन इसके भारी भरकम बजट को देखते हुए इसकी कमाई नाकाफी लग रही है। 'फोन भूत' ने पहले दिन 2 करोड़ के करीब की ओपनिंग दर्ज की थी। जिसे अच्छा तो कतई नहीं कहा एक्सेल' का हाल तो फोन भूत से भी बुरा है। इस हॉरर कॉमेडी ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 2.05 करोड़ का बिजनेस किया था। तो दूसरे दिन शनिवार होने के कारण फिल्म की कमाई में कुछ इजाफा हुआ। सैकनिल्क डॉटकॉम के अनुसार फिल्म ने 5 नवंबर को 2.55 करोड़ का कलेक्शन किया है (ये आंकड़े शुरुआती हैं इनमें फेरबदल खट्टर और सिद्धांत चतुर्वेदी दो ऐसे लोग हैं जो भूत पकड़ने के मिशन पर हैं। इस फिल्म को सोशल मीडिया पर फैंस के अच्छे रिव्यू मिल रहे हैं। फोन भूत, मिली और डबल एक्सेल पर कन्नड़ फिल्म कांतारा भारी पड़ रही है। अपने तीसरे हफ्ते में चल रही इस फिल्म का हिन्दी डब वर्जन भी जबरदस्त कलेक्शन कर रहा है।

बॉलीवुड फिल्में क्यों नहीं दिखा पा रही साउथ जैसा कमाल 'कांतारा' के ऋषभ शेट्टी ने बताया कहां हो रही गलती

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली।'कांतारा' फेम ऋषभ शेट्टी ने कभी सोचा भी नहीं होगा कि उनकी फिल्म इतनी बड़ी ब्लॉकबस्टर बनेगी कि, उन्हें लेकिन इसने कमाई के मामले में हिंदी फिल्मों को भी धूल चटा दी है। बॉलीवुड कहां साउथ की फिल्मों के जैसी सफलता पाने में क्यों नाकामयाब हो रहा है, इसका

बॉलीवुड से ऑफर मिलने शुरू हो जाएंगे। क्षेत्रीय लोक कथाओं और रीति-रिवाजों की कहानी को लेकर गढ़ी गई फिल्म की कहानी हर किसी को पसंद आ रही है। आज यह कन्नड़ सिनेमा की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। फिल्म की सफलता को देख बॉलीवुड मेकर्स रिशब शेट्टी के साथ काम करने के इच्छुक बन गए हैं। लेकिन उन्होंने इस ऑफर को ठुकरा दिया है। उन्होंने बताया कि क्यों हिंदी सिनेमा का पहले की तरह दर्शकों पर मैजिक नहीं चल पा रहा। 'कांतारा' फिल्म मात्र 16 करोड़ के बजट से बनी है। जवाब ऋषभ शेट्टी ने एक इंटरव्यू में दिया है। ऋषभ शेट्टी के मुताबिक इस सवाल का जवाब छुपा है हमारे कल्चर में। हिंदुस्तान टाइम्स को दिए इंटरव्यू में ऋषभ ने बताया कि जब वह किसी फिल्म का बैकग्राउंड लिखते हैं, तो वह उस दुनिया को चुनते हैं, जो उन्होंने देख रखी हो। यह वह फिल्म हैं, जिसमें हीरो है, विलेन है, थोड़ा सा रोमांस हैं और बाकी वह चीजें भी हैं, जो आमतौर पर किसी भी फिल्म मे में होती हैं। बाकी जो इसमें नया है वह है इसका बैकग्राउंड, फिल्म की लेयर्स और पैकेजिंग। ऋषभ ने बताया कि जब यह सारी चीजें एक साथ आती हैं।

18 साल का हुआ बॉबी देओल का बेटा धरम, एक्टर ने शेयर की अनदेखी तस्वीर

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर बॉबी देओल उन स्टार्स में से हैं, जो अपने परिवार और बच्चों को मीडिया से काफी दूर रखते हैं। हालांकि सोशल मीडिया पर तस्वीर शेयर करते रहते हैं। इस बार भी कुछ ऐसा ही हुआ है। एक्टर ने अपने छोटे बेटे धरम देओल की है जिसमें उन्होंने धरम की बचपन की एक झलक साझा की है। पहली तस्वीर में धरम अपने दादा और दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र की गोद में बैठे नजर आ रहे हैं। तो वहीं दूसरी तस्वीर में धरम पापा के साथ कैमरे में पोज देते नजर आ रहे हैं। बॉबी ने पोस्ट को कैप्शन दिया, ठहैप्पी 18 वां माय धरम लव यू बेटा। इस देओल ने साल 1996 में तान्या आहूजा से से शादी रचाई थी। शादी के कुछ सालों बाद ये कपल पेरेंट्स बने। बॉबी दो बेटों के पिता है। बड़ा बेटा आर्यमन देओल उनका जन्म 16 जून 2001 में हुआ था। आर्यमन अभी यूएस में मैनेजमेंट की पढ़ाई कर रहे हैं। वहीं धरम का जन्म साल 2004 में हुआ था। बॉबी देओल

को देर रात जन्मदिन की बधाई दी। बॉबी देओल दो बेटे को पिता है। उनका बड़ा बेटा आर्यमन 21 साल का हो गया है। तो वहीं छोटा बेटा 18 साल के हो गए। एक्टर ने इंस्टाग्राम पर दो फोटो शेयर पोस्ट पर सनी देओल ने भी बेटे धरम को विश किया है और कमेंट में लिखा है- जन्मदिन मुबारक हो धरम। सनी के अलावा इस पोस्ट पर कई सेलेब्स ने धरम को जन्मदिन की बधाई दी है। आपको बता दें कि बॉबी ने अपने बच्चों को लाइमलाइट से दूर रखने को लेकर एक इंटरव्यू में कहा था कि प्राइवेसी बेहद जरूरी होती है, लेकिन आजकल पैपराजी कल्चर की वजह से ये लगभग खत्म होती जा रही है।

पठान की रिलीज से पहले शाह रुख खान ने फैंस से कहा दीपिका पादुकोण के लिए भी कही ये बात

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। शाह रुख खान अपनी आने वाली फिल्म 'पठान' की शूटिंग और एडिटिंग में काफी व्यस्त हैं। इसी बीच उन्होंने शनिवार को अपने प्रशंसकों के साथ आस्क एसआरके सेशन के लिए अपने शेड्यूल में से कुछ समय निकाला। इस दौरान किंग खान ने अपने कई फैंस के कि जॉन अब्राहम के साथ काम करने का उनका अनुभव कैसा रहा है। जब उनके एक प्रशंसक ने 'जॉन के साथ काम करने के अनुभव' के बारे में पूछा एसआर ने जवाब दिया, 'जॉन को सालों से जानते हैं। उनके साथ काम करना खुशी की बात थी। सबसे सौम्य और अच्छे व्यवहार वाले व्यक्ति में से एक।स्टार

कई इंटरेस्टिंग सवालों के जवाब दिए और अपने कुछ अनुभव भी उनके साथ साथ शेयर किए। शहा रुख खान ने रखा आस्कमी सेशन उनके एक प्रशंसक ने पूछा, दीपिका पादुकोण के साथ काम करना कैसा रहा? आप दोनों मेरे पसंदीदा हैं, इस पर शाहरुख ने जवाब दिया, 'एक एक्ट्रेस और स्टार के रूप में उनकी क्षमताएं अद्भुत हैं, इसके के अलावा वो काफी शांत स्वभाव हैं जो मुझे काफी इम्प्रेस करता है'।दीपिका पादुकोण के साथ-साथ शाह रुख खान ने ये भी बताया ने कुछ टिप्स भी साझा किए जो उन्होंने अपने पठान निर्देशक सिद्धार्थ आनंद से सीखे हैं। जब उनके एक फैन ने पूछा, 'सिद्धार्थ आनंद से सीखने के लिए टिप्स' शाहरुख ने जवाब दिया, 'बहुत मेहनती और हर काम में हाथ बटाते हैं, उनके साथ बहुत मजा आता है।आस्क एसआरके सेशन के दौरान शाह रुख ने अपने फैन्स के कई सवालों के जवाब दिए। शनिवार को, अभिनेता ने ट्वीट किया, 'हम सब सवालों के साथ जागते हैं आज मैं जवाब के साथ जाग गया! तो सोचा शायद हम 15 मिनट के लिए कर सकते हैं अगर आपके पास समय है तो कृपया पूछें। जल्द ही, उनके प्रशंसकों ने उनके कई सवालों के साथ उनके ट्वीट की बाढ़ ला दी। एसआरके ने उनमें से बहुत से जवाब दिए, उन सभी में शामिल नहीं हो सके और इस ऑनलाइन सवाल जवाब को जल्द ही खत्म करके माफी मांग ली।

राखी सावंत ने एक्ट्रेस शर्लिन चोपड़ा के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। बॉलीवुड फिल्ममेकर साजिद खान के लिए बिग बॉस के घर जाना आफत बन चुका है। आए दिन उनके खिलाफ नए नए विवाद खड़े हो रहे हैं। अब तक कई एक्ट्रेसेज उन्हें शो से बाहर निकालने की भी मांग कर चुकी हैं। इस लिस्ट में सबसे पहले नाम शर्लिन चोपड़ा शामिल है। शर्लिन आए दिन साजिद के खिलाफ अपनी आवाज उठाती नजर आ रही हैं।

साजिद और शर्लिन की लड़ाई में अब राखी सावंत भी कूद पड़ी हैं। एक तरह जहां शर्लिन फिल्ममेकर के खिलाफ आवाज उठा रही हैं तो वहीं साजिद के बचाव में नजर आ रही हैं। ऐसे में अब दोनों एक्ट्रेस की आपस में जंग छिड़ गई हैं। राखी सावंत करवाई शर्लिन चोपड़ा के खिलाफ शिकायत दर्ज इसी बीच अब दोनों की यह लड़ाई पुलिस स्टेशन तक जा पहुंची है। राखी ने शर्लिन पर उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया है। राखी के आरोप के मुताबिक शर्लिन ने कुछ दिनों पहले मीडिया के सामने उनका मजाक उड़ाया था। राखी ने आगे कहा कि शर्लिन ने उनके ऊपर व्यक्तिगत आरोप भी लगाए थे। राखी सावंत शर्लिन के खिलाफ केस दर्ज कराने अपने वकील के साथ शनिवार को ओशिवारा पुलिस स्टेशन पहुंची थी।करीब एक हफ्ते पहले शर्लिन चोपड़ा ने साजिद के खिलाफ जुहू पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई थी। इस शिकायत के बाद कहा जा रहा है कि पुलिस जल्द बिग बॉस की टीम से संपर्क कर सकती है और साजिद खान को शो से बाहर निकाला जा सकता है। बता दें कि साजिद पर कई मॉडल्स, एक्ट्रेसेस और जर्नलिस्ट ने मीटू आंदोलन के तहत यौन शोषण के आरोप लगाए थे, जिसके बाद उन्हें आईएफटीडीए एसोसिएशन ने इंडस्ट्री में बैन कर दिया था।

वीकेंड पर बेटे तैमूर संग मस्ती करते दिखे सैफ अली खान

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। सैफ अली खान वीकेंड पर अपने बड़े बेटे तैमूर के साथ एंजॉय करते हुए दिख रहे हैं। शनिवार देर शाम पित-पुत्र की इस जोड़ी को मुंबई में आयोजित एक संगीत समारोह में का आनंद उठाते हुए देखा गया है, जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। सैफ और तैमूर की इस वीडियो को सोशल मीडिया पर सेलिब्रिटी फोटोग्राफर ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि नन्हें तैमूर अपने पिता के साथ फोटोग्राफर्स को पोज देते हुए दिख रहे हैं, हालांकि इस दौरान उनके चेहरे पर बेहद क्यूट एक्सप्रेसन दिख रहे हैं। वीडियो में तैमूर और सैफ अली खान ब्लैक टी-शर्ट के साथ ब्लू जींस पहने और अपने सिर पर एक रेड कलर का बैंड भी बांधे हुए नजर अ रहे हैं। तैमूर को इन दिनों सैफ के साथ मस्ती और टाइम बीताते हुए दिख जा रहा है, क्योंकि करीना कपूर खान वक्त अपनी फिल्म द डिवोशन ऑफ सस्पेक्ट एक्स की शूटिंग के लिए लंदन गई हुई हैं। इस मर्डर मिस्ट्री में करीना कपूर खान ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू करने वाली हैं। फिल्म में करीना के साथ जयदीप अहलावत और विजय वर्मा जैसे कलाकार भी अहम किरदार में नजर आने वाले हैं। ये फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। वहीं, बात अगर सैफ अली खान के वर्कफ्रंट की करें तो वो जल्द ही ओम राउत के निर्देशन में बनी फिल्म आदिपुरुष में प्रभास और कृति सेनन के साथ नजर आने वाले हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।